रांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-262 | कोलकाता, सोमवार 2 दिसंबर 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

महायुति में कोई मतभेद नहीं, आज तय होगा सीएम

गृह मंत्रालय पर शिंदे ने साधी चुप्पी, कहा-आराम करने गांव आया था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नतीजे आए 8 दिन हो गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे का आधिकारिक ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। महायुति सरकार में मंत्रालय बंटवारे को लेकर पेंच फंसा है। दिल्ली में बैठक करके लौटे एकनाथ शिंदे सभी कार्यक्रम रद्द कर अचानक 29 नवंबर को सतारा स्थित पैतृक गांव चले गए थे। एक दिन बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। रविवार को शिंदे ने अपने गांव सतारा में प्रेस कांफ्रेंस करके कहा, मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मेरा पूरा समर्थन है। सीएम पर फैसला पीएम मोदी और अमित शाह लेंगे। इस दौरान उनसे गृह मंत्रालय पर चल रही खींचतान को लेकर तीन बार सवाल किया गया। शिंदे ने कोई जवाब नहीं दिया। 3 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। हालांकि शिंदे ने कहा है कि 2 दिसंबर को सीएम तय हो जाएगा। दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस करेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम अजित पवार ने शनिवार को कहा- सीएम भाजपा का होगा, यह तय हो गया है और शिवसेना-एनसीपी से 1-1 डिप्टी सीएम होगा। इससे पहले शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित करते हुए महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावन कुले ने कहा कि महाराष्ट्र का नया सीएम 5 दिसंबर को शाम 5 बजे शपथ लेगा।

जय शाह ने संभाली आईसीसी चेयरमैन की गद्दी

- कहा- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए करेंगे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी के चेयरमैन के तौर पर जय शाह ने कार्यभार संभाल लिया है। इस बात की जानकारी खुद आईसीसी ने दी है। आज यानी एक दिसंबर 2024 से उनका कार्यकाल शुरू हो रहा है। जय शाह के लिए पहला असाइनमेंट आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 है, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के पास है। हालांकि, उनका बड़ा लक्ष्य ओलंपिक गेम्स हैं, जिनमें क्रिकेट खेली जाएगी। आईसीसी की ओर से जारी मीडिया रिलीज में बताया गया है कि जय शाह ने खेल की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स के अवसर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही खेल के लिए इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आईसीसी सदस्यों के साथ साझेदारी में काम किया जाएगा।

कांग्रेस मांग रखे, हम असम में बीफ बैन करेंगे

कांग्रेस के आरोप पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा दावा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को बीजेपी की बैठक के बाद मीडिया से कहा- वे राज्य में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं,बशर्ते कांग्रेस इसे लिखित में दे। दरअसल, सामगुरी सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। 23 नवंबर को रिजल्ट आने के बाद कांग्रेस की हार पर सांसद रकीबुल हुसैन ने भाजपा पर बीफ बांटने का आरोप लगाया। सरमा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि विपक्षी पार्टी ने इस मुद्दे को उठाया। कांग्रेस सांसद खुद मानते हैं कि बीफ बांटना गलत है। अगर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बुपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर इसकी मांग करते हैं तो वह बैन को तैयार है। पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन सरमा ने कांग्रेस के सांसद रकीबुल के बेटे तंजील को 24,501 वोटों से हराया था। इस सीट पर लगातार पांच बार से कांग्रेस जीत रही थी। सांसद की कथित टिप्पणी पर सरमा ने कहा, लेकिन दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-भाजपा द्वारा मतदाताओं को गोमांस देकर चुनाव जीतना गलत है। सरमा ने पूछा- क्या गोमांस देकर सामगुरी सीट जीती जा सकती है सरमा ने पूछा, मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस देकर सामगुरी जीत रही थी। वह सामगुरी को अच्छी तरह से जानते हैं।

कांग्रेस का आरोप था- भाजपा ने गोमांस बांटकर चुनाव जीता

फेंगल तूफान से पुडुचेरी में बने बाढ़ जैसे हालात

यहां पर बारिश का 30 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

चेन्नई में लैंडिंग के दौरान क्रॉस विंड में फंसा प्लेन

पुडुचेरी (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से 25 नवंबर को उठा फेंगल तूफान 30 नवंबर, शाम 7.30 बजे पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। लैंडफॉल प्रोसेस रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान भारी बारिश

के साथ 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। तूफान का असर केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी है। आईएमडी के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं अटका हुआ है, लेकिन कुछ घंटों में धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को पुडुचेरी, कडलोर, विल्लुपुरम और चेन्नई में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। पुडुचेरी में 24 घंटों के दौरान 48.4 सेमी बारिश हुई। यह 30 साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश है। तूफान के कारण चेन्नई एयरपोर्ट दोपहर 12 बजे बंद कर दिया गया था, जो रात 1 बजे शुरू हो पाया। आधी रात के बाद उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन कई फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। कुछ देरी से पहुंचीं। तूफान के चलते 24 डोमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। 26 इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हुई। चेन्नई एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लैंडिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट क्रॉस विंड में फंसकर लहराने लगी। पायलट प्लेन को वापस उड़ा ले गया। घटना को लेकर इंडिगो ने कहा कि मुंबई-चेन्नई फ्लाइट 6ई 683 भारी बारिश में फंस गई थी।

तीन बच्चे पैदा करें, जनसंख्या में कमी चिंता का विषय

मोहन भागवत उवाच,वृद्धि दर 2.1 फीसदी से नीचे तो समाज ही नष्ट हो जाएगा

- कहा-दो या तीन बच्चे पैदा करना जरूरी, वरना मानवता ही खतरे में आ जाएगी

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या नीति को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने रविवार को महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह जरूरी है कि जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से नीचे न जाए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे पैदा किए जाएं। ऐसा जनसंख्या विज्ञान कहता है और यदि औसत आंकड़ा 2.1 का ही रहा तो फिर बिना किसी खतरे के ही पृथ्वी से मानवता समाप्त हो जाएगी। आबादी यदि ऐसे ही कम होने की दर बनी रही तो फिर कई भाषाएं और

सभ्यताएं खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगी। मोहन भागवत ने कहा, आबादी का घटना चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब जन्म दर 2.1 से नीचे जाती है तो फिर धरती से मानवता ही खत्म होने का खतरा पैदा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज खत्म हो जाता है, जबकि उसके आगे कोई प्रत्यक्ष संकट नहीं होता। ऐसी स्थिति में कई भाषाओं और सभ्यताओं के खत्म होने का खतरा होता है। देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे हों। आबादी की जरूरत है क्योंकि समाज का अस्तित्व रहना चाहिए। आरएसएस की ओर से कई बार यह बात दोहराई जा चुकी है कि देश में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ रहा है।

दिल्ली में एकला चलो की राह पर एएपी

गठबंधन की बात से केजरीवाल का साफ इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के साथ गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी और अकेले चुनाव लड़ेगी। इससे पहले कांग्रेस ने भी राजधानी में गठबंधन की बात से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने इस पर कुछ नहीं कहा था। लेकिन आज उन्होंने भी गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने उन पर कल हुए हमले को लेकर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी दौरान उनसे दिल्ली चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर सवाल किया गया। इसका जबाव देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं होगा। अरविंद केजरीवाल का बयान ऐसे समय में सामने आया है जब अगले साल की शुरुआत में ही दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। फिलहाल आम आदमी पार्टी का 70 में से

62 सीटों पर कब्जा है। इसी साल हुए लोकसभा चुनावों में बीजेपी के खिलाफ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। लेकिन इसके बावजूद सात लोकसभा सीटों में से एक पर भी जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाए थे। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने तो यहां तक कह दिया था कि चुनावों में हार आम आदमी पार्टी की वजह से हुई है। उधर हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद भी ऐसी चर्चा थी कि कांग्रेस-आप में कोई गठबंधन नहीं होगा। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। उस वक्त आम आदमी पार्टी में ऐसी चर्चा थी कि अब कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगी। अरविंद केजरीवाल ने आज इस पर मुहर भी लगा दी है।

आम आदमी पार्टी को पूरा विश्वास है कि जनता तीसरी बार उसे ही सत्ता की चाबी सौंपेगी। इसके लिए अभी से जोरदार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया गया है। और तो और कुछ सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भी कर दिया गया है।

भारत और मलेशिया हरिमाऊ शक्ति युद्धाभ्यास करेंगे

2 दिसंबर से कुआलालंपुर में शुरू होगा,राजपूत रेजीमेंट की बटालियन हिस्सा लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मलेशिया 2 दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे। भारतीय सेना ने बताया कि युद्धाभ्यास मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बेंटोंग कैंप में होगा। इस युद्धाभ्यास को हरिमाऊ शक्ति- 2024 नाम दिया गया है। पिछली साल यह अभ्यास भारत में मेघालय के उमरोई छावनी में हुआ था। इसमें मलेशियाई सेना की 5वीं रॉयल बटालियन और भारत की राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा भारतीय सेना और सिंगापुर आर्म्ड फोर्सेज के बीच अग्नि योद्धा सैन्य अभ्यास 30 नवंबर को पूरा हो गया। महाराष्ट्र के देवलाली में हुआ यह युद्धाभ्यास इसका 13वां संस्करण था। तीन दिन चले अभ्यास में सिंगापुर आर्टिलरी के 182 और भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजीमेंट के 114 जवान शामिल थे। असली जंग जैसे जोखिम, शहीद तक हो जाते हैं जवान कहने को युद्ध अभ्यास एक तरह के

काल्पनिक युद्ध होते हैं, लेकिन इनमें जोखिम असली युद्ध जैसे ही होते हैं। इसकी वजह यह है कि अभ्यास के लिए भी असली हथियारों का इस्तेमाल होता है। इस दौरान हादसे भी होते हैं। ऐसा ही एक हादसा इसी साल 28 जून को हुआ था, जिसमें पांच जवान शहीद हुए थे। लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में श्योक नदी पर नदी पार करने का अभ्यास किया जा रहा था। अचानक आई बाढ़ में एक टी-72 टैंक बह गया और पांच जवान शहीद हो गए।

एसपी ने न्यायिक आयोग को बताया संभल हिंसा का सीन

कहा-भीड़ सामने से पथराव कर रही थी,गाड़ियां जलाईं, छतों से पत्थर फेंके

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग की टीम रविवार को जामा मस्जिद पहुंच गई है। 3 मेंबर्स की टीम में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस डीके अरोड़ा, यूपी के पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन और रिटायर्ड प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद हैं। अमित मोहन आज नहीं पहुंच पाए। टीम ने सबसे पहले हिंसा प्रभावित जामा मस्जिद के बाहर का निरीक्षण किया और फिर मस्जिद के अंदर गई। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को ब्रीफ किया। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर के दिन किन घरों से पथराव हुआ और कहां से हिंसा की शुरुआत हुई। कमिश्नर, डीआईजी और डीएम भी साथ हैं। शनिवार को शाही जामा मस्जिद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने चंदौसी कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। एएसआई के वकील विष्णु शर्मा ने कहा- यहां प्राचीन इमारत और पुरातत्व अवशेषों के संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन किया गया। मस्जिद के बाहर सीढ़ियों पर जो निर्माण करवाया गया है, उसके खिलाफ पहले से एफआईआर दर्ज है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा-

संभल की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कल हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा और वहां जाकर हम वातावरण को देखेंगे। सरकार ने जानबूझकर यह कराया है। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- उपचुनाव में करारी हार के बाद पूरी तरह से निराश और बौखलाए हैं। राजनीतिक आधार खोने के बाद अब सपा ने प्रदेश में अशांति फैलाने और अराजकता पैदा करने की साजिशें शुरू कर दी हैं। संभल में हुआ दंगा सपा की इसी साजिश का हिस्सा है। जिसके असली सूत्रधार स्वयं अखिलेश यादव हैं।

जाति खत्म होते ही नष्ट हो जाएगी सनातन की पहचान

- बाबा बागेश्वर की एकता यात्रा पर बरसे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुओं की एकता के लिए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पदयात्रा निकाली। इस यात्रा पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने अब सवाल खड़े

कर दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बाबा बागेश्वर राजनीतिक पार्टियों के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। यदि जाति की विदाई हो जाएगी तो हमारी (सनातन की) पहचान भी खत्म हो जाएगी, फिर कैसे कोई सनातनी रह पाएगा। बाबा बागेश्वर की सनातन हिंदू एकता यात्रा पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने न्यूज एजेंसी से कहा, वह सनातन यात्रा कर रहे हैं, नारा लगा रहे हैं कि जात-पात की करो विदाई, हिंदू-हिंदू भाई-भाई।

यहां अमेरिकी राष्ट्रपति की शपथ होगी और युद्ध खत्म

यूक्रेन-रूस युद्ध पर ट्रंप के करीबी का बड़ा दावा,पुतिन पर भी दिया बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद से ही उनकी रूस-यूक्रेन में भूमिका को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं। अब ट्रंप के करीबी ने दावा किया है कि अमेरिका में सत्ता परिवर्तन से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन डरे हुए हैं और युद्ध रुकने जा रहा है। हेरिटेज फाउंडेशन थिंक टैंक के हेड डॉक्टर केविन रॉबर्ट्स ने द सन के साथ बातचीत में दावा किया है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद संभालने के कुछ दिनों के भीतर यूक्रेन युद्ध को खत्म करा देंगे। रॉबर्ट्स का कहना है कि युद्ध रुक जाएगा लेकिन यूक्रेन को कुछ समझौते करने पड़ेंगे। इसमें दो अहम बातें हैं। एक तो यूक्रेन को डोनेट्स्क, लुहान्स्क, जापोरिजिया और

खेरसॉन क्षेत्रों में रूस के कब्जे वाले क्षेत्र को छोड़ना होगा। दूसरा- यूक्रेन को शांति समझौते के लिए फिलहाल नाटो का हिस्सा बनने के अपने सपने से दूर जाना होगा ताकि बमबारी रुके और शांति आए। रॉबर्ट्स ने आगे कहा, डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में यूक्रेन युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएग क्योंकि पुतिन ट्रंप से डरते हैं लेकिन ये भी सच है कि यूक्रेन को अपना कुछ इलाका छोड़ना होगा और उसके नाटो का हिस्सा बनने का भी कोई रास्ता अभी नहीं है। यूक्रेन को पुतिन की कई मांगों को मानना ही होगा क्योंकि इसी तरह हम युद्ध को समाप्त करा पाएंगे। रॉबर्ट्स के वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक आने वाले ट्रंप प्रशासन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान वादा किया था।

पहले दर्शन करते हैं, फिर देते हैं नफरती भाषण

- तिरुपति मंदिरों में राजनीतिक बयानबाजी पर बैन

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपनी देखरेख में आने वाले मंदिरों में राजनीतिक भाषणों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। यह निर्णय मंदिरों की पवित्रता और आध्यात्मिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। टीटीडी ने यह कदम तब उठाया जब कुछ राजनेताओं ने तिरुमाला परिसर में

दर्शन और पूजा के बाद मीडिया के सामने खड़े होकर राजनीतिक और भड़काऊ भाषण दिए। इन बयानों के चलते तिरुमाला की आध्यात्मिकता और शांति भंग होने की शिकायतें सामने आई थीं। रिपोर्टों के मुताबिक, टीटीडी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह के कार्यों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेयू में पीएचडी में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

कोलकाता,एजेंसी। जादवपुर यूनिवर्सिटी (जेयू) ने कई विषयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इस संबंध में संस्थान के कला संकाय की ओर से वेबसाइट पर एक अधिसूचना प्रकाशित की गयी है. शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू की जायेगी. जादवपुर यूनिवर्सिटी कंपरेटिव लिटरेचर, अंग्रेजी, फिल्म स्टडीज, इतिहास, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, दर्शनशास्त्र एंड फिजिकल एजुकेशन में पीएचडी के अवसर प्रदान करता है. आवेदकों के पास संबंधित विभाग में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ दो साल की स्नातकोत्तर योग्यता होनी चाहिए. तुलनात्मक साहित्य में तीन, फिल्म अध्ययन में सात, अंग्रेजी में 10, इतिहास में चार, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में चार और दर्शनशास्त्र में छह, शारीरिक शिक्षा में 11 सीटें हैं. योग्य आवेदकों के लिए सभी जरूरी सूचनाएं मूल नोटिफिकेशन में दी गयी हैं.

शहर में डेंगू व मलेरिया का प्रकोप

कोलकाता,एजेंसी। एक सप्ताह में मलेरिया से भी 179 लोग हुए पीड़ित कोलकाता. महानगर में इन दिनों डेंगू एवं मलेरिया का प्रकोप बढ़ता जा रहा है. कोलकाता नगर निगम के अनुसार, शहर में फिलहाल 1081 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं. पिछले एक सप्ताह (17 से 24 नवंबर तक) में कोलकाता में 82 लोग डेंगू से संक्रमित हुए. तीन नवंबर तक डेंगू के 865 मामले सामने आये थे. इसकी संख्या 10 नवंबर तक बढ़कर 936, 17 नवंबर तक 999 और 24 तक 1081 हो गयी है. पिछले साल 24 नवंबर तक कोलकाता में 13,682 लोग डेंगू से पीड़ित हुए थे. तुलनात्मक रूप से इस वर्ष डेंगू के कुल मामलों में 92 फीसदी की गिरावट आयी है. लेकिन फिर भी डेंगू निगम के लिए चिंता का सबब बना हुआ है. निगम की ओर से बताया कि गया है कि दक्षिण कोलकाता से डेंगू के सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं. बोरो 10 एवं 12 में डेंगू का प्रकोप फैला है. निगम के स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 15 दिसंबर तक डेंगू का प्रकोप कम हो सकता है. क्योंकि, तापमान में गिरावट होने पर ही डेंगू के लार्वा नष्ट हो सकते हैं. फिलहाल स्थिति काफी भयावह नहीं है. वहीं, उत्तर कोलकाता में मलेरिया के सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं. बोरो एक, चार, छह, सात, आठ, 10 और 12 से सबसे अधिक प्रभावित इलाके हैं. अब तक बोरो 10 से 239, बोरो चार से 1149, बोरो छह से 637, बोरो आठ से 1175, बोरो 12 से 192 मामले सामने आ चुके हैं. निगम स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 24 नवंबर तक कोलकाता में 5700 लोग मलेरिया से पीड़ित हो चुके हैं. एक सप्ताह में 179 नये मामले दिखे हैं. पिछले साल 24 नवंबर तक कुल 9,933 लोग मलेरिया से पीड़ित हुए थे. इस हिसाब से मलेरिया के मामलों में 42 प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है. मेयर फिरहाद हकीम ने कहा कि देशभर से लोग कोलकाता आते हैं. इस वजह से भी महानगर में मलेरिया के मामले बढ़ रहे हैं. डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान को जारी रहेगा. लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है. कोलकाता में जागरूकता के कारण इस साल डेंगू के मामलों में 92 फीसदी की कमी आयी है. मौसम की अनियमितता के कारण भी मच्छर पनपने रहे हैं. इस समय भी बारिश हो रही है. यह वातावरण मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल है. इसलिए हमें सचेत रहना चाहिए.

राज्य पुलिस के पूर्व आइजी पंकज दत्ता का निधन

कोलकाता,एजेंसी। राज्य पुलिस के पूर्व व सेवानिवृत्त आइजी पंकज दत्ता का निधन हो गया. उन्होंने शनिवार को वाराणसी के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली. वह एक महीने से ज्यादा समय तक अस्पताल में भर्ती रहे थे. गत 23 अक्तूबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक सेमिनार में भाग लेने के दौरान वह अचानक गंभीर रूप बीमार पड़ गये थे. उन्हें वाराणसी के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, तब से उनका इलाज उसी अस्पताल में चल रहा था और शनिवार को उनकी मौत हो गयी. वह राज्य पुलिस के आइजी के पद पर रहते हुए वर्ष 2011 में सेवानिवृत्त हुए थे. आरजी कर व अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले के विरोध में भी दत्ता मुखर थे. अक्तूबर की शुरुआत में प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में राज्य के पूर्व आइजी की एक टिप्पणी को लेकर हंगामा मच गया था. उनके खिलाफ महानगर के एक थाने में शिकायत भी दर्ज करायी गयी थी. विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी इस घटना को लेकर राज्य सरकार के विरोध में उतरे थे.

बड़ाबाजार में डाला लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे कोलकाता पुलिस

कोलकाता,एजेंसी। मेयर बड़ाबाजार में फुटपाथ व सड़क किनारे दुकान डाल कर सामान बेचे वाले हॉकरों के खिलाफ मेयर फिरहाद हकीम ने कोलकाता पुलिस से कार्रवाई करने का सुझाव दिया है. बड़ाबाजार स्थित वार्ड 42 के पार्षद महेश शर्मा की ओर से भी इस संबंध में कई बार पत्र लिख कर मेयर से शिकायत की गयी है. शनिवार को मेयर फिरहाद हकीम से इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि डाला वालों की वजह से ही बागड़ी मार्केट में आग लगी थी. डाला वाले बड़ाबजार के लिए बड़ी समस्या हैं. इनकी वजह से ही कोलकाता नगर निगम के सफाईकर्मी बड़ाबाजार में ठीक तरह से सड़कों की साफ-सफाई नहीं कर पाते हैं. उन्होंने बताया कि यह समस्या पुरानी है. 50 सालों से ऐसा चला आ रहा है. लेकिन उन्होंने डाला वालों को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस को सुझाव दिया. मेयर ने कहा कि निगम के पास पुलिस नहीं है, इसलिए वे खुद इस कार्य को नहीं कर सकते. इसलिए उन्होंने पुलिस से इस मामले में कदम उठाने को कहा है.

पाटुली : संदिग्ध हालत में ठेका श्रमिक की मौत

कोलकाता,एजेंसी। पाटुली थाना क्षेत्र में कवि सुभाष मेट्रो स्टेशन के श्रमिक आवासन में संदिग्ध हालात में एक ठेका श्रमिक की मौत हो गयी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके मृत होने की पुष्टि की गयी. मृतक की शिनाख्त सबीरुल इस्लाम (38) के रूप में हुई है. वह मुर्शिदाबाद के भगवानगोला इलाके का निवासी थी. यहां वह न्यू गरिया-एयरपोर्ट मेट्रो प्रोजेक्ट में ठेका श्रमिक का काम कर रहा था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, ताकि श्रमिक की मौत के सटीक कारण का पता चल सके.

हल्की बारिश, कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

कोलकाता,एजेंसी। हालांकि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव शुक्रवार को चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया, लेकिन नमी के कारण तटीय क्षेत्रों के दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में हल्की बारिश को छोड़कर बंगाल पर इस सिस्टम का कोई सीधा असर नहीं हुआ।

मौसम प्रणाली ने दक्षिण बंगाल क्षेत्रों में शीत लहरों के प्रवाह को रोक दिया है। अलीपुर मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कोलकाता और दमदम में औसत वर्षा क्रमशः 1 और 2 मिलीमीटर रही, जबकि सबसे अधिक वर्षा बैरकपुर में 16 मिलीमीटर दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कोलकाता, हावड़ा और अन्य जिलों जैसे पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम मिदनापुर, उत्तर 24-परगना, दक्षिण 24-परगना में रविवार और सोमवार को हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान लगाया है।

अगले 24 घंटों में दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने पहले कहा था कि चक्रवात फेंगल का बंगाल पर कोई सीधा असर नहीं हो सकता है, लेकिन सप्ताहांत में तटीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने दक्षिण और उत्तर बंगाल के कई जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार उत्तर में दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, उत्तर दिनाजपुर, मालदा और दक्षिण में पश्चिम बर्दवान, बीरभूम, पुरुलिया में सुबह घना कोहरा छाया रह सकता है। उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर में शनिवार को बारिश हो सकती है। रविवार को पूर्वी मिदनापुर और दक्षिण 24 परगना में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार को कहा, यह प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 30 नवंबर की दोपहर तक 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ पुडुचेरी के करीब कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों को पार करने की संभावना है।

हाथी ने रिहायशी इलाके में घुसकर फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया

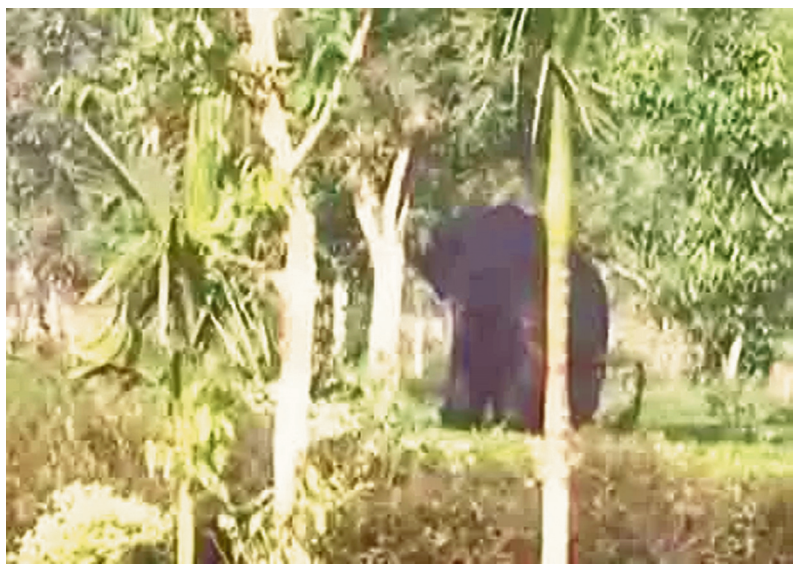

कोलकाता,एजेंसी। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि एक हाथी रिहायशी इलाके में घुस गया और सिलीगुड़ी के रंगापानी इलाके में फसलों को नुकसान पहुंचाया । डर से ग्रसित निवासियों ने अपने घरों से बाहर निकलने से परहेज किया क्योंकि उत्पाती हाथियों ने कहर बरपाया, जिससे कृषि क्षेत्रों, पेड़ों और फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व में रहने वाले समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों की एक कठोर याद दिलाती है। स्थिति के जवाब में, वन विभाग ने जंगली जानवर का मार्ग जंगल में वापस मोड़ने की पहल की है ।

वन अधिकारियों के अनुसार , हाथी अपने झुंड से भटक गया है और आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश कर गया है। वन अधिकारी गणेश शर्मा ने कहा, हमें सूचना मिली है कि एक हाथी अपने झुंड को छोड़कर यहाँ आ गया है... हमारी टीमें आ गई हैं, और भी टीमें आएंगी... हम जानवर को वापस जंगल में भेजने की कोशिश कर रहे हैं । जहाँ किसान अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वे हाथियों के आतंक से कृषि और सामुदायिक सुरक्षा दोनों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के प्रयास कर रहे हैं। वन्यजीवों के खतरे से निपटने के मद्देनजर, 12 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से एक अवमानना ??याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें राज्य में हाथियों को भगाने के लिए नुकीली कीलों और जलती हुई मशालों (आग की मशालों) के लगातार इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है।

जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने पश्चिम बंगाल के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि पश्चिम बंगाल सरकार मानव-हाथी संघर्ष को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में विफल रही है और उसने 1 अगस्त और 4 दिसंबर, 2018 के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन किया है। इन आदेशों में, अदालत ने राज्य को हाथियों को नियंत्रित करने के लिए कीलें हटाने और आग के गोले का उपयोग करने से रोकने का निर्देश दिया था।

याचिकाकर्ता की वकील प्रेरणा सिंह बिंद्रा ने पश्चिम बंगाल में हाथियों को भगाने के लिए कीलों और जलती हुई मशालों के इस्तेमाल से जुड़ी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथाओं को रोकने के लिए अदालत को दिए गए आश्वासन के बावजूद, राज्य ने मानव-हाथी संघर्षों के प्रबंधन के लिए वैकल्पिक तरीकों की खोज नहीं की है। (एएनआई)

पूर्व बीएनपी नेता होने का दावा करने वाला बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार रात को सेंट्रल कोलकाता के एक गेस्ट हाउस से फर्जी पहचान पत्र के साथ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का पूर्व नेता होने का दावा करने वाले एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने खुद को रबी शर्मा बताया। हालांकि, पूछताछ में पता चला कि उसका नाम सलीम मतब्बर है। पुलिस अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक पूछताछ में उसने दावा किया कि वह बांग्लादेश के मदारीपुर इलाके का बीएनपी का स्थानीय नेता है और करीब एक साल पहले अवामी लीग के साथ राजनीतिक विवाद के बाद बांग्लादेश से भागकर भारत आया था। हम उसके बयानों की पुष्टि कर रहे हैं। उसके पास मौजूद भारतीय पासपोर्ट में उसका नाम रवि शर्मा (40) लिखा है और वह राजस्थान के जयपुर का रहने वाला है। पासपोर्ट इस साल अप्रैल में दिल्ली से जारी किया गया था। उसका आधार कार्ड पश्चिम बंगाल के नादिया जिले से जारी किया गया था।

आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वह करीब एक साल पहले अवैध रूप से भारत में घुसा था और एक जगह से दूसरी जगह जाता रहा है। वह पहले भी कोलकाता आ चुका है और गेस्ट हाउस और होटलों में रुका था। मार्क्विस स्ट्रीट स्थित गेस्ट हाउस के एक कर्मचारी ने बताया, वह हमारे गेस्ट हाउस में आकर रुकता था। उसने आधार कार्ड और पासपोर्ट जमा किया था। हमें कुछ भी संदेह नहीं हुआ। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारत-बांग्लादेश के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं और दोनों पड़ोसी देश बांग्लादेश में एक हिंदू पुजारी की देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। इस घटना ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उसकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक रंजिश को जन्म दे दिया है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने मीडिया से कहा, केवल एक मामला सामने आया है। उसके जैसे हजारों लोग हैं। उत्तर 24 परगना का बारासात इस तरह के फर्जी दस्तावेज बनाने का केंद्र है। सत्तारूढ़ टीएमसी से जुड़े कुछ स्थानीय नेता इस रैकेट में शामिल हैं। राज्य सरकारें न तो पासपोर्ट देती हैं और न ही वीजा। ये केंद्र द्वारा जारी किए जाते हैं। अगर कोई फर्जी दस्तावेजों के साथ दस्तावेज तैयार कर ले तो क्या किया जा सकता है? पुलिस ने उसे पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जांच की जा रही है कि उसने पासपोर्ट और आधार कार्ड कहां से हासिल किया, राज्य के कृषि मंत्री सोभनदेव चट्टोपाध्याय ने मीडियाकर्मियों से कहा।

राज्य सरकार से हमें मंत्री पद के लिए कोई प्रस्ताव नहीं मिला : दीपंकर भट्टाचार्य

रांची, एजेंसी। भाकपा (माले) के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड सरकार से हमें मंत्री पद के लिए कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सदन में हमारे पास सिर्फ दो विधायक हैं। इसलिए हम सरकार में शामिल करने के लिए राज्य सरकार पर कोई दबाव नहीं बनाएंगे, बल्कि हर कदम पर सरकार का साथ देंगे। भट्टाचार्य शनिवार को मेन रोड स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि समन्वय समिति बने और इंडिया ब्लॉक द्वारा लोगों को दी गई सात गारंटी को पूरा करने के लिए हम मिलकर काम करें। यदि हमें ज्यादा सीटें दी जातीं, तो नतीजे और बेहतर होते। साथ ही कहा कि झारखंड का जनादेश पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। इससे लोगों का लोकतंत्र में विश्वास फिर से जगा है।

भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव के दौरान मैंने ऐसा जहरीला माहौल कभी नहीं देखा था लेकिन झारखंड की जनता ने एकजुट होकर ऐसी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र को भी झारखंड के जनादेश का सम्मान करना चाहिए और राज्य को अस्थिर करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। राज्य को उसका हक देना चाहिए। जहां तक हमारी पार्टी का सवाल है, हम एक बार फिर धनबाद में दो सीटें जीतने में कामयाब रहे हैं लेकिन हमें दुख है कि हम बगोदर हार गए। फिर भी सदन में हमारे दो विधायक होंगे। ये विधायक सदन के अंदर और बाहर झारखंड की जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे।

भट्टाचार्य ने कहा कि हम भाजपा की विचारधारा को हराने के लिए प्राथमिकता पर काम करेंगे। हम राज्य में पार्टी के संगठन का विस्तार करेंगे। 2025 में महेंद्र सिंह की 20वीं वर्षगांठ होगी और झारखंड का 25 साल का हो जाएगा और हम राज्य में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर से 26 जनवरी तक हम संविधान के आदर्शों को पूरे देश में लेकर जाएंगे, जिसके तहत हम विभिन्न मार्च का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अयोध्या पर फैसला अपवाद है और भविष्य में ऐसे मामले नहीं आएंगे। इसके बावजूद निचली अदालतों से सर्वे के आदेश आ रहे हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कल संभल में एक केंद्रीय टीम आएगी और अजमेर में भी ऐसी ही चीजें देखने को मिल रही हैं।

ऐसा लगता है कि देश में इस संबंध में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है और देश को पीछे ले जाने की कोशिश की जा रही है। हम लोगों से आग्रह करेंगे कि वे ऐसे झांसे में न आएं।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा झारखंड में अडानी राज थोपना चाहती थी और इसके लिए हरसंभव कुप्रथा अपनाई। अमेरिका में अडानी पर कार्रवाई की जा रही है लेकिन भारत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ेगा। क्योंकि, बिजली के दाम बढ़ गए हैं जबकि अडानी समूह के शेयर गिरने से सबसे ज्यादा नुकसान छोटे निवेशकों को होता है।

बंगाल से आलू की सप्लाई रोके जाने के बाद एक्शन में हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव को दिये निर्देश

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की ओर से आलू के वाहनों को सीमा पर रोके जाने के मामले का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया है. झारखंड के मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को इस संबंध में तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्य सचिव अलका तिवारी से कहा है कि इस मामले का हल तत्काल निकालें. सीएम का निर्देश मिलते ही सीएस ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से बात की और इस मामले का हल निकालने के लिए कहा. पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव ने झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी का गठन करके आलू की सप्लाई रोके जाने के मामले का निष्पादन किया जाएगा. पश्चिम बंगाल ने आलू के ट्रकों को झारखंड जाने से रोक दिया, जिसकी वजह से आलू की कीमतें बढ़ गई हैं.

ग्राहक ऊंची कीमत से परेशान, आलू सड़ने से व्यवसायी परेशान

दूसरी ओर, आलू को सीमा पर रोके जाने की वजह से ट्रक में आलू सड़ने लगे हैं. एक ओर झारखंड के आम लोग आलू की ऊंची कीमतों से परेशान हैं, तो दूसरी ओर आलू व्यापारी भी नुकसान झेलने को विवश हैं. बंगाल सरकार ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए अन्य राज्यों को आलू की सप्लाई बंद कर दी है.

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने 23 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सेवाआश्रय कार्यक्रम की घोषणा की

कोलकाता,एजेंसी। डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के 23 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ देने के लिए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने अगले साल 2 जनवरी से सेवाश्रय कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।सेवाश्रय कार्यक्रम ढाई महीने तक चलेगा। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि कार्यक्रम निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत अमतला में शुरू किया जाएगा और यह सात विधानसभा क्षेत्रों, 71 ग्रामीण ग्राम पंचायतों और 93 शहरी वार्डों के 23 लाख निवासियों को कवर करेगा।

उन्होंने शनिवार को कहा, इस पहल को 1,200 डॉक्टरों, 500 निदानकर्ताओं, 1,500 स्वयंसेवकों और 12 रेफरल अस्पतालों से युक्त एक शिविर मशीनरी द्वारा समर्थित किया गया है। 2,800 से अधिक सक्रिय शिविर दिनों की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रतिदिन 40 शिविर संचालित होंगे और प्रत्येक शिविर में औसतन 500 लोगों के आने की उम्मीद है। ... हमारे द्वारा पहचानी गई सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि 23 लाख से अधिक लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सक्षम होने के लिए पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों की उपलब्धता होनी चाहिए। हमें एहसास हुआ कि डॉक्टर अपनी पूर्व पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण हर सप्ताह दो दिन से अधिक समय नहीं दे पाएंगे।

हमने शुरू में सोचा था कि 300 डॉक्टरों की एक टीम पर्याप्त होगी। हालांकि, हमें जल्द ही एहसास हुआ कि निर्वाचन क्षेत्र के 2,000 बूथों पर 23 लाख लोगों को लगातार कई दिनों तक सेवा देने में सक्षम होने के लिए, हमें कम से कम 400 से 500 डॉक्टरों की आवश्यकता होगी। मुझे चेतावनी दी गई थी कि इस पहल के लिए इतने सारे डॉक्टर मिलना मुश्किल होगा। हालांकि, मुझे कल रात बताया गया कि 1,200 से अधिक डॉक्टरों ने अपनी जानकारी साझा की है और हम उन सभी को आज सभागार में समायोजित नहीं कर पाए, उन्होंने शनिवार को कार्यक्रम में कहा। बनर्जी ने कहा कि मार्च 2025 में सेवा आश्रय पहल के समाप्त होने के बाद 5,000 डॉक्टरों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

हम कोलकाता में बंगाली नववर्ष से पहले 5,000 डॉक्टरों का एक सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो डॉक्टर आज हमारे साथ नहीं आ सके, उन्हें उस कार्यक्रम में समायोजित किया जाए। मुझे यकीन है कि डायमंड हार्बर के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि और मैं आज चिकित्सा समुदाय के साथ जो बंधन बनाएंगे, वह जीवन भर हमारे साथ रहेगा। यह डायमंड हार्बर मॉडल है, उन्होंने कहा। हम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 दिनों के लिए स्वास्थ्य शिविर चलाएंगे, जिसमें प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में न्यूनतम 40 शिविर होंगे। टीएमसी सांसद ने कहा कि शिविर डायमंड हार्बर में शुरू होंगे, उसके बाद फाल्टा, सतगछिया, बिष्णुपुर, मेटियाब्रूज, बज बज और महेशतला में होंगे।

2 से 11 जनवरी तक यह कार्यक्रम डायमंड हार्बर में होगा। 12 जनवरी से यह फाल्टा में शुरू होगा और इसी तरह आगे भी होगा। हम 70 दिनों में 7 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेंगे। आखिरी पांच दिनों में हम कई बूथों पर शिविरों का आयोजन करेंगे, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि इसे दुआरे स्वास्थ्य पोरिषेबा कहा जा सकता है।उन्होंने कहा कि इन शिविरों में डॉक्टर के परामर्श के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां, बीएमआई और रक्तचाप की जांच के साथ-साथ डेंगू और मलेरिया की जांच भी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर से टकराई, दो की मौत

नवादा, एजेंसी। नवादा में तेज रफ्तार बाइक ने खड़े ट्रैक्टर से जाकर भिड़ गई। इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सद्भावना चौक अंबेडकर नगर निवासी अर्जुन प्रसाद साव के पुत्र आर्यन राज उर्फ हर्ष और आंबेडकर नगर दांगी टोला निवासी अरविंद गिरी के पुत्र सूर्यांश गिरी उर्फ रित के रूप में हुई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के बुधौल के पास की है। दोनों युवक बाइक से बुधौल जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक की तेज रफ्तार ही हादसे की मुख्य वजह से यह हादसा हुआ है।

तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा : नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। दोनों युवकों ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन तेज गति के कारण टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पहली बार जिले के 81 हजार से अधिक युवा मतदाता करेंगे वोटिंग

पटना, एजेंसी। राज्य में अगले साल विधानसभा का चुनाव होगा। इस चुनाव में पहली बार पटना जिला के करीब 81 हजार युवा मतदाता वोट करेंगे। वर्तमान मतदाता सूची में 18 से 19 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 34 हजार 439 है। एक महीने तक चलने वाले स्पेशल ड्राइव (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) के दौरान 56 हजार मतदाताओं ने नाम जोड़ने का आवेदन दिया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक 70 से 80 प्रतिशत आवेदन युवा मतदाताओं का है। 6 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। इस मतदाता सूची के आधार पर विधानसभा चुनाव होगा। खास बात यह है कि जिले का लिंगानुपात पिछले साल की तुलना में कम हो गई है। जिले का लिंगानुपात (सेक्स रेसियो) 901 है, जो पिछले साल 902 था। अगर जनसंख्या बढ़ी तो अनुमानित लिंगानुपात 926 होनी चाहिए। कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 881 और मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 926 लिंगानुपात है। पटना जिले की अनुमानित जनसंख्या 82,87,812 है। इसमें 43,02,709 पुरुष और 39,85,103 महिला शामिल हैं। चुनाव से पहले मतदाताओं को जोड़ने व हटाने का काम तेजी से चल रहा है। इसके बाद वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

एक साल में 1 लाख बढ़े मतदाता: पटना में एक साल में करीब 1 लाख मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। 22 जनवरी 2023 को प्रकाशित सूची में जिले के मतदाताओं की संख्या 49,01,306 थी। 29 अक्टूबर 2024 को प्रकाशन के दौरान मतदाताओं की संख्या बढ़कर 49,62,654 हो गई है। मतदाता सूची में सुधार और नाम जोड़ने के लिए स्पेशल ड्राइव के दौरान नया नाम जोड़ने के लिए करीब 56 हजार आवेदन आए वहीं, नाम हटाने के लिए करीब 17 हजार मतदाता आए।

अयोध्या से सीतामढ़ी पहुंची भगवान राम की बारात:लोगों पुष्प वर्षा और पटाखे जलाकर किया भव्य स्वागत

पुनौरा में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में आज जगह जगह मामा जानकी जन्मस्थली सीतामढ़ी में शनिवार की देर शाम प्रवेश किया। जहां जगह जगह बाराती का स्वागत किया जा रहा है। हर जगह सोहर, बधाईयां और मंगलगीतों से गूंज रही है। महिला और पुरुष भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते और भक्ति में डूबे नजर आए तो युवा पीढ़ी आतिशबाजी कर जश्न का इजहार करती रहीं। सीतामढ़ी शहर में जैसे ही बरात दाखिल हुई, लोगों ने पुष्पा वर्षा कर बरातियों का वंदन और अभिनंदन किया। जगह-जगह बरात को रोक कर मंगल आरती उतारी गई। लोगों ने गुलाल उड़ाए और खुशी के दीप भी जलाए। विवाहोत्सव के तहत आयी बरात के बाद शहर में एक साथ होली-दीवाली की रंगत दिखी। राम-जानकी विवाहोत्सव को लेकर राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुध्न तथा साधु-संतों के साथ बरात शहर में भ्रमण कर रहा है। बता दें की शिवहर से परसौनी, बेलसंड रून्नीसैदपुर के रास्ते सीतामढ़ी में दाखिल हुई।

रून्नीसैदपुर, गाढ़ा, बाजितपुर, लगमा, मुरादपुर, सिमरा, शंकर चौक, शांतिनगर, शाहू चौक और जानकी स्थान, गोशाला, होते बरात पुनौरा धाम जानकी मंदिर पहुंचने वाली है। जहां चारों दूल्हा सरकार एवं बरातियों की आरती और पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया जायेगा।शहरवासियों ने दीप जला कर खुशी का इजहार किया। जबकि जमकर आतिशबाजी भी की गई। पुनौरा धाम और रजत द्वार जानकी मंदिर भी रोशनी से नहाता रहा।

बता दें की श्री महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से संचालित सीता रसोई की ओर से सभी बरातियों को दिव्य भोजन परोसा जाएगा। फलाहारियों के लिए विभिन्न प्रकार के फल और खीर आदि की व्यवस्था की गयी है। व्यवस्थापक रामशंकर शास्त्री की ओर से समधी, गुरु व चारो दुल्हा सरकार को जय जानकी, जय पुनौराधाम लिखा केसरिया अंग वस्त्र भेंट करने की तैयारी की है।

2 फीट जमीन को लेकर विवाद में मारपीट, 5 जख्मी

भोजपुर में कोर्ट में चल रहा है मामला, पट्टीदार ने जबरन रखा ईंट

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के रामकरही डेरा गांव में दो फिट जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। जिसमें दोनों पक्षों से पांच लोग जख्मी हो गए। इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद मामले को शांत कराया गया।। सभी जख्मियों को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में एक पक्ष के रामकरहीडेरा गांव निवासी राधा मोहन यादव,राजेंद्र यादव और गुड्डू कुमार यादव शामिल है। दूसरे पक्ष से उसी गांव के निवासी बृजमोहन यादव और उनका बेटा सोनू कुमार यादव शामिल है।

दो फिट जमीन को लेकर विवाद

घटना के संबंध में एक पक्ष के परिजन ने बताया कि दोनों पट्टीदारों के बीच दो फिट जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। ये मामला न्यायालय में भी चल रहा है और उस जमीन पर 107 भी लगा हुआ है। राधा मोहन अपने घर के छज्जा और नाली का पानी बहाने के लिए दो फिट जमीन छोड़ा था। लेकिन इसके बावजूद ब्रिज मोहन यादव ने जमीन पर ईट रखा जा रहा था। राधा मोहन यादव ने उनसे कहा कि अभी विवाद चल रहा है तो इस जमीन पर अभी ईट मत रखो। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। जिसके बाद दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए और जमकर मारपीट की। जिसमें अभी लोग जख्मी हो गए। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

घर का ताला तोड़कर 10 लाख की चोरी

भागलपुर में 4 दिनों से डॉक्टर के पास था पीड़ित परिवार, पड़ोसी ने दी सूचना

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के अकबरनगर थाना क्षेत्र के भवनाथपुर स्थित केनरा बैंक के पास एक मकान में अज्ञात चोरों ने घर का नौ ताला तोड़कर 10 लाख का जेवर समेत 25 हजार रुपए नगद चोरी कर लिया। घटना की छानबीन के दौरान सामने आई सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि वारदात को अंजाम देने दो चोर पहुंचे थे। लोगो को घटना की जानकारी घर का दरवाजा खुला होने पर हुई है। बताया गया कि घर के सभी सदस्य पिछले चार दिनों से डॉक्टर के यहां थे। पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला देखा तो इसी सूचना घर मालिक को दी। शनिवार को जब परिजन घर पहुंचे। जहां घर सारा सामान बिखरा और ताला टूटा मिला। घर के अंदर आलमीरा सहित कई कमरे में रखे जेवर और नकद रुपए गायब थे। घटना की जानकारी लोगों ने स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही मौके पर अकबरनगर पुलिस पहुंची। पीड़ित परिवार ने देर रात पुलिस को लिखित आवेदन देकर चोरी हुए सामानों की रिकवरी का गुहार लगाया है।

दो लोगों में दिया वारदात को अंजाम : पीड़ित मंजेश सिंह ने बताया कि हमलोग अपने परिवार के साथ चार दिनों से डॉक्टर के यहां थे। आज पड़ोसी ने सूचना दिया कि घर के दरवाजे खुले हुए हैं। जिसके बाद हमलोग यहां आए तो देखा कि घर का नौ ताला टूटा हुआ था। कई कब्जा उखड़ा हुआ था। जब घर का समान को चेक किया गया तो कीमती जेवरात गायब थे। साथ ही नगद रुपए भी नहीं मिले। सीसीटीवी में देखने के बाद पता चला कि दो लोग घर में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया है। एसपी आनंद कुमार ने बताया कि जांच की जा रही है। हमलोग जल्द ही मामले का खुलासा का करेंगे।

पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सेवा अवधि में विस्तार:राजगीर-गुरपा और पाटलिपुत्र-झंझारपुर स्पेशल 7 दिसंबर तक रोज चलेगी

नालंदा, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पांच महत्वपूर्ण मार्गों पर विशेष ट्रेन सेवाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय यात्रियों को अधिक सुविधा और परिवहन के बेहतर विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है।

1. गाड़ी सं. 12149/12150 पुणे-दानापुर-पुणे एक्सप्रेस के रेक से चलाई जा रही गाड़ी संख्या 03350/03349 दानापुर-सहरसा-दानापुर स्पेशल अब 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक रोज चलाई जाएगी।

2. गाड़ी सं. 13245/46/47/48 कैपिटल एक्सप्रेस के रेक से चलायी जा रही गाड़ी संख्या 03319/03320 राजेन्द्रनगर-आरा-राजेन्द्रनगर स्पेशल अब 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक रोज चलाई जाएगी।

3. गाड़ी सं. 13233/13234 दानापुर-राजगीर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के रेक से चलाई जा रही गाड़ी संख्या 03322/03321 राजगीर-गुरपा-राजगीर स्पेशल अब 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक रोज चलाई जाएगी।

4. गाड़ी संख्या 05574/05573 पाटलिपुत्र-झंझारपुर-पाटलिपुत्र स्पेशल अब 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक रोज चलाई जाएगी।

5. गाड़ी संख्या 03347/03348 पटना-आरा-पटना स्पेशल अब 1 दिसंबर से 6 दिसंबर तक सप्ताह में तीन दिन रविवार, बुधवार और शुक्रवार को चलाई जाएगी।

बिजली विभाग के कैशियर ने फंदे से लटककर दी जान

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में शनिवार को बिजली विभाग के कैशियर का शव फांसी के फंदे से लटकता बरामद हुआ। कैशियर पिछले 5 सालों से शहर के प्रोफेसर कॉलोनी के गली नंबर 2 में किराये के मकान पर पूरे परिवार के साथ रहता था। शनिवार को ऑफिस से लौटने के बाद पति-पत्नी की बीच विवाद होने के बाद यह घटना घटी। मृतक शेखपुरा जिले के मुरादपुर गांव निवासी सुधांशु शेखर (40) हैं। पत्नी पूनम कुमारी ने बताया कि आज उनकी बड़ी बेटी का जन्मदिन था। वो ऑफिस से लौटकर डेरा पर पहुंचे थे। मैंने उन्हें खाना दिया लेकिन इसी बीच जन्मदिन मनाने की तैयारी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। पति ने खाना फेंककर सोने चले गए। मैं बच्चों के साथ छत पर रख कपड़ा को उतारने के लिए चली गई। नीचे आने के बाद देखा कि पति का शव पंखे से लटका हुआ है। शोर मचाने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। मौके पर पहुंचे लोगों ने फंदा काटकर नीचे उतारा। आनन फानन में आसपास के लोगों ने उन्हें सदर अस्पताल लाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई।

अलाव से घर में लगी आग, महिला और मवेशी झुलसे मोतिहारी में फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पाताही थाना क्षेत्र के बोकाने कला पंचायत के मियां गाछी गांव में शनिवार की रात मवेशियों के लिए जलाएं गए अलाव से घर में आग लग गई। इस घटना में रिंकू देवी(32) गंभीर रूप से झुलस गई, जबकि दो भैंसें घायल हो गईं और एक बकरी की जलकर मौत हो गई।

अलाव से लगी आग

पड़ोसी नथुनी कापर ने बताया कि रात को मच्छर भगाने के लिए मवेशियों के घर में अलाव जलाया गया था। अलाव से निकली चिंगारी ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। रात होने के कारण परिवार के सदस्य सो रहे थे। जब तक आग का पता चला, तब तक यह पूरे घर में फैल चुकी थी। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर में बंधी भैंसें झुलस गईं और एक बकरी की मौत हो गई। आग की चपेट में आने से नथुनी कापर की पत्नी रिंकू देवी बुरी तरह घायल हो गईं। उन्हें तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों घर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

जांच के बाद मिलेगा मुआवजा

पताही सीओ ने कहा कि घटना की जांच के लिए सीआई को भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को सरकारी राहत दी जाएगी।

बेगूसराय मुख्यालय में बनेगा दो पॉवर सब स्टेशन

विधायक कुंदन कुमार ने सदन में बिजली आपूर्ति और गोताखोरों को लेकर उठाया मुद्दा

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के भाजपा विधायक कुंदन कुमार ने लचर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का मुद्दा और गोताखोर का मामला सदन में उठाया है। बताया कि बेगूसराय जिला मुख्यालय के ग्रिड पर अत्यधिक लोड होने के कारण अक्सर विद्युत आपूर्ति बाधित होती रहती है।

कुंदन कुमार ने सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से ऊर्जा विभाग के मंत्री से कहा कि जिला मुख्यालय में तीन 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेन्द्र कार्यरत हैं।

लेकिन बढ़ती मांग के कारण इन पर अत्यधिक भार पड़ रहा है। जिसकी वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बिजली और गोताखोर को लेकर सदन में चर्चा

ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि बेगूसराय जिला मुख्यालय में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने तथा निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए नए विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों के निर्माण का निर्णय किया गया है। बिहार सरकार द्वारा दो नए 2×10 एमवीए क्षमता के विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों का निर्माण किया जाएगा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इंजिनियरिंग कॉलेज में उपकेन्द्र निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध हो गई है तथा निविदा प्रक्रिया चल रही है।

शहर के दक्षिणी छोर को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यहां भी एक उपकेन्द्र बनाया जाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। निर्माण एजेंसी का चयन भी कर लिया गया है। विधायक ने कहा है कि इन नए उपकेन्द्रों के निर्माण से जिला मुख्यालय में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। दूसरे तारांकित प्रश्न में विधायक कुंदन कुमार ने बेगूसराय जिला में स्थित SDRF में एक भी गोताखोर नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बेगूसराय जिला कई प्रमुख नदियों से घिरा हुआ है तथा आए दिन जल संबंधी दुर्घटनाओं से प्रभावित होता रहता है। जहां डूबने के घटनाओं में शव को खोजने के लिए दूसरे जिलों से गोताखोर बुलाने पड़ते हैं। जिससे पीड़ित परिवार विचलित रहते है।

8 साल की भांजी की रेप के बाद हत्या : किशनगंज में 2 दिन से लापता थी बच्ची

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में 8 साल की बच्ची के साथ चचेरे मामा (20) ने रेप किया। इसके बाद उसकी हत्या कर शव को चाय के बागान में फेंक दिया। जानकारी के अनुसार 8 साल की बच्ची अपनी नानी के घर में पिछले 3 साल से रह रही थी। बच्ची के माता पिता बाहर रहकर मजदूरी का काम करते हैं। बच्ची गुरुवार से लापता थी। मामला पोठिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

गांव वालों को खुद बच्ची के शव के पास ले गया आरोपी : शनिवार को गांव वालों को बच्ची के चचेरे मामा शंभु देहरी पर शक हुआ। इसके बाद उससे पूछताछ की गई तो वो गांव वालों को घटनास्थल पर ले गया और बच्ची का शव दिखाया। इसके बाद स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मुदस्सिर नजर ने घटना की जानकारी पोठिया थानाध्यक्ष निशाकान्त कुमार को दी। सूचना मिलते ही पोठिया थानाध्यक्ष निशाकान्त कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। इधर प्रत्यक्षदर्शियों ने रेप होने की आशंका जाहिर की है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ-टू मंगलेश कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची। एसडीपीओ मंगलेश कुमार ने कहा कि बच्ची की हत्या कर शव फेंका गया है। जांच की जा रही है।

वेब्स होटल के मालिक के घर से चोरी हुआ कैश और जेवर एमपी से बरामद

आकाश धनक ने घर में ही छुपा कर रखा था चोरी का पूरा माल

रामगढ़। शहर के वेब्स होटल के मालिक संजीव चड्ढा के घर से चोरी हुआ कैश और जेवर पुलिस ने मध्य प्रदेश से बरामद कर लिया है। साथ ही उस चोर को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है, जिसने इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार आकाश धनक को उसके घर से ही पुलिस ने पकड़ा है। इस छापेमारी में मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले की मोतीनगर थाना पुलिस का भी योगदान सराहनीय रहा है। संजीव चड्ढा के घर का पूरा मुआयना करने के बाद रामगढ़ पुलिस और टेक्निकल सेल ने काफी सक्रियता से काम करना शुरू किया। एसपी अजय कुमार ने भी इस मामले को तत्काल उद्भेदन करने का निर्देश दिया। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क कर सहयोग करने की अपील की। चोर की पहचान संजीव चड्ढा के परिजनों ने कर दी थी। उन्होंने बताया था कि आकाश धनक 8 वर्षों तक उनके होटल में काम कर चुका है। 3 महीने पहले ही उसने नौकरी छोड़ी थी। इसके बाद होटल के जिस स्टाफ गोपाल से वह बात करता था, उसने भी इसकी पुष्टि की। सीसीटीवी कैमरे में आकाश धनक को बैग लेकर घुसते हुए और भागते हुए भी देखा गया था।

चोरी करती थे अपने घर पहुंचा था आकाश

रामगढ़ से चोरी कर आकाश धनक सीधे अपने घर मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत मोती नगर थाना क्षेत्र के संत कबीर दास नगर पहुंचा। उसने सबसे पहले चोरी के माल को छुपाने की कोशिश की। वेब्स होटल के मालिक के घर से उसने लगभग 20 लाख रुपए कैश और लाखों रुपए के जेवर समेत कुल 50 लाख रुपए के संपत्ति चोरी की थी। अपने घर की छत पर ही उसने एक बैग में चोरी का पूरा माल छुपा कर रख दिया था।

नौकरी छोड़ते समय स्पीकर चुरा ले गया था आकाश

पीड़ित परिवारों से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि आकाश का नजरिया पहले से ही खराब हो गया था। 3 महीने पहले जब उसने वेब्स होटल की नौकरी छोड़ी तो वह होटल से एक स्पीकर चुरा कर ले गया था। उसे स्पीकर के लिए जब होटल मालिक ने आकाश को फोन किया तो उन दोनों के बीच काफी बहस हुई। इस दौरान आकाश ने संजीव चड्ढा के परिजनों को धमकी भी दी थी। लेकिन वह धमकी इतनी महंगी पड़ेगी शायद इसका अंदाजा उन्हें नहीं था।

सागर जिले की कोर्ट से रिमांड पर लिया जाएगा आकाश

मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले से आकाश धनक की गिरफ्तारी हुई है। उसके घर से चोरी की संपत्ति भी बरामद हुई है। रामगढ़ पुलिस सोमवार को सागर कोर्ट में आकाश धनक को पेश करेगी और उसे रिमांड पर लेकर रामगढ़ लाएगी। रामगढ़ आने के बाद एक बार फिर उससे गहन पूछताछ होगी, ताकि उसके अपराधिक इतिहास की भी जानकारी हो सके।

मुक्तिधाम संस्था ने गांधी घाट परिसर में किया पौधारोपण, दुर्लभ प्रजाति कल्पतरु वृक्ष के पौधे लगाये

रामगढ़। दामोदर नदी के तट पर स्थित गांधी घाट में परिसर में मुक्तिधाम संस्था के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान दुर्लभ पौधा कल्प वृक्ष लगाया गया। मुक्तिधाम संस्था के कमल बगड़िया ने बताया कि हमारे ग्रंथो के अनुसार समुद्र मंथन के क्रम में कल्पतरु वृक्ष भी देवताओं को मिला था। यह वृक्ष इसी प्रजाति का है। उक्त प्रजाति के पौधे प्रायः विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन राजधानी रांची के हिनू और डोरंडा के बीच कल्पतरु के दो वृक्ष वर्षों से लगे हुए हैं। सरकार ने भी कल्पतरु को दुर्लभ वृक्ष घोषित कर सुरक्षित किया है। रामगढ़ के पूर्व थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर अजय कुमार साहू के विशेष प्रयास से उक्त पौधे को मंगाया गया है। कल्पतरु के पौधे को लगाने में एसआई निखिल राहुल, एसआई रितेश कुमार, कांस्टेबल रंजन कुमार सिंह, गांधी कुमार के अलावे मुक्तिधाम संस्था के कई लोग शामिल थे।

रजरप्पा स्थित पठवा हनुमान मंदिर परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आज

रजरप्पा। सीसीएल रजरप्पा कोयलांचल स्थित पठवा हनुमान मंदिर परिसर में सोमवार को ललिता नेत्रालय ट्रस्ट रामगढ़ द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा। शिविर 10 बजे से 2 बजे तक मंदिर प्रांगण में लगाया जाएगा। इस दौरान कम्प्यूटर द्वारा लोगों के आंखों की जांच की जाएगी। साथ ही जांच के दौरान निःशुल्क दवा भी दिया जाएगा। जांच में किसी का मोतियाबिंद पाए जाने पर निःशुल्क ऑपरेशन भी किया जाएगा। साथ ही उसकी दवा भी दी जाएगी। पठवा हनुमान मंदिर के अध्यक्ष सह सेवई उत्तरी पंचायत के मुखिया कुलदीप सिंह ने मंदिर समिति के सभी सदस्यों एवं क्षेत्र के तमाम लोगों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने पठवा हनुमान मंदिर के सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे अपने आसपास के सभी लोगों को भी शिविर की जानकारी दें। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग शिविर में आकर अपना नेत्र जांच करवा सकें। किसी व्यक्ति को चश्मा की जरूरत पड़ने पर बाजार से उचित मूल्य पर चश्मा दिया जाएगा।

श्री दिगम्बर जैन समाज के निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण

रामगढ़। श्री दिग्मबर जैन समाज के सत्र 2024-26 के द्विवार्षिक चुनाव में निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों के बीच जैन भवन में एक समारोह का आयोजन कर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस दौरान चुनाव समिति के सभापति विकास सेठी और उपसभापति अमित जैन ने निर्वाचित सदस्यों में राजेंद्र पाटनी, संजय कुमार जैन सेठी, अमित काला, राजेंद्र चूड़ीवाल, सौरभ जैन अजमेरा, सुनील जैन, विकास रपरिया, देवेंद्र गंगवाल बुल्ली, प्रवीण कुमार जैन, योगेश सेठी के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। निर्वाचित तीन कार्यकारिणी के सदस्य माणिक चंद जैन, जम्बू कुमार जैन और नीरज जैन सेठी के अनुपस्थित रहने से प्रमाण पत्र उन्हें नहीं दिया जा सका।

बाकी बचे पदाधिकारियों का भी किया गया चयन

प्रमाण पत्र वितरण के दौरान निर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र पाटनी, सह सचिव, विकास रपरिया, मंदिर मंत्री देवेंद्र गंगवाल और भवन मंत्री सुनील छाबड़ा को बनाया गया। बैठक के दौरान चार मनोनित सदस्यों का भी चयन किया गया। जिसमें डॉ शरद जैन, श्रवण सेठी, ललित चूड़ीवाल और आनंद जैन का चयन किया गया। इससे पूर्व सर्वसम्मति से श्री दिगम्बर जैन समाज का अध्यक्ष राजेंद्र चूड़ीवाल, सचिव योगेश सेठी और कोषाध्यक्ष पद पर सौरभ अजमेरा का चयन किया गया था।

गीता स्वामी टैक्स अकादमी का शुभारंभ, कामर्स के छात्रों को मिलेगा अकाउंटस, टैली, जीएसटी व आयकर से संबंधित प्रशिक्षण

रामगढ़। शहर के झंडा चौक के समीप रविवार को गीता स्वामी टैक्स अकादमी नामक संस्थान का शुभारंभ किया गया। जिसका विधिवत उदघाटन विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ सुनील कुमार अग्रवाल ने दीप जलाकर किया। प्रतिष्ठान के उदघाटन के बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, वाणिज्य के विद्यार्थियों को टैक्स अकादमी का काफी लाभ मिलेगा। संस्थान के प्रबंध निदेशक सुरेश पी अग्रवाल के चालीस वर्षों का टैक्स प्रैक्टिस का अनुभव व ज्ञान से छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकेंगे। गीता स्वामी टैक्स एकेडमी के प्रबंध निदेशक सुरेश पी अग्रवाल (वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता) ने बताया कि टैक्स अकादमी की परिकल्पना रामगढ़ ज़िले में मौलिक विचार है। यहां तीन महीने के 36 क्लासेज में एकाउंट्स, टैली, जीएसटी तथा आयकर का सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा।

यह एक प्रकार से कौशल विकास प्रशिक्षण होगा। इस कोर्स के बाद युवाओं को आसानी से जॉब प्राप्त हो सकेगा। मौके पर प्रो प्रणीत कुमार, प्रो तारा शंकर अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, विवेक अग्रवाल (अधिवक्ता), संगीता अग्रवाल, शेखर शरद (सीए), रक्षा अग्रवाल (सीए), अंकित अग्रवाल, रविश गोयल, दीक्षा अग्रवाल, अंश गुप्ता, मनीषा सोनी, प्रशंसा वर्मा, अर्चिता वर्मा, विशाखा गोयनका, पंकज अग्रवाल, संजय कुमार, आयुष सोनी, सात्विक, शाश्वत, समृद्धि, अनन्या सहित शहर के कई गणमान्य लोग शामिल थे।

लोकल सेल सिरका सीएचपी सड़कों पर भारी वाहन चलने पर उड़ रहे हैं धूल, प्रबंधन बेखबर, प्रदूषित हो रहा है क्षेत्र

सिरका। सीसीएल सिरका बंद सीएचपी चेक पोस्ट से लोकल सेल जाने वाले रास्तों पर प्रतिदिन भारी गाड़ी आने जाने पर धूल भरी सड़क का नजारा दिखाई पड़ रहा है. प्रबंधन का कोलयरी के सड़कों पर ध्यान नहीं है. बताया जाता है कि प्रतिदिन 50 से 100 गाड़ियां चेक पोस्ट से होकर लोकल सेल सिरका कोयला लोडिंग के लिए जाती हैं. ट्रक जैसे ही सड़कों से गुजरती हैं. काफी मात्रा में धूल भरी गर्द उड़ते हैं. जिससे क्षेत्र में वायु प्रदूषण को भी बढ़ावा मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर प्रबंधन प्रतिदिन इन सड़कों पर पानी छिड़काव नहीं करता है. जिसके कारण क्षेत्र का वातावरण धुलकण उड़ने से छायादार व अंधकार तब्दील हो जाता है. यहां काम करने वाले कामगारों की बात की जाए तो उन्हें भी धूल भरे हवाओं का सामना करना पड़ रहा है. जिससे शारीरिक दिक्कत सांस जैसे मसलों से भी जूझना पड़ रहा है।

बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी आभार यात्रा में हुए शामिल

बरकाकाना। बरकाकाना क्षेत्र में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी रविवार को बरकाकाना क्षेत्र में आभार यात्रा में शामिल हुए।और लोगों ने जमकर आतिशबाजी व फूल माला पहनाकर ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। क्षेत्र के सियुर,कंडेर कच्चुदाग,सिधवार, तेलियातू, बरकाकाना, सीआईसी बस्ती,घुटुवा साप्ताहिक हाट में लगें जीतराम बेदिया व नया नगर बरकाकाना अम्बेडकर चौक के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, दुर्गी, चैनगडा लोगों ने उनका जमकर स्वागत किया। मौके पर मनोज सैनी, हरि रत्नम साहू, सुदर्शन महतो, रंजीत राम, हरेश राय, कमलेश यादव, अशोक यादव, भागवत यादव, आनंद यादव, गोपाल यादव, छठी लाल प्रसाद, अनिल महतो, अखिलेश महतो, कपिल देव राम दांगी, राजकुमार महतो, कुश श्रीवास्तव, विनोद सोनी, मुकेश कुमार, भानु सिंह, राजकुमार सिंह, शंभू ठाकुर, सोनू वर्मा, आकाश सिंह, बबलू सिंह, अमित बोस, कुलदीप बेदिया, अमित बेदिया, रामा सिंह, अमर नायक, राजेश कुमार, मनोज सोनी, अरुण चौधरी, बलबीर सिंह सहित सैकड़ो भाजपा आजसू कार्यकर्ता मौजूद थे।

खोरठा जनगायक जगलाल सिंह कि स्मृति दिवस को लेकर हुई बैठक

खोरठा जनगायक जगलाल सिंह स्मृति में आयोजित सेमिनार होगा ऐतिहासिकःओहदार

रामगढ़। जनगायक जगलाल सिंह की पहली स्मृति दिवस मनाने को लेकर रविवार को स्थानीय कलाकारों साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बुद्धिजीवियों की एक बैठक पटेल चौक स्थित मार्गदर्शन शिक्षण संस्थान में की गयी। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ बीएन ओहदार एवं संचालन सुशील स्वतंत्र ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्व जगलाल सिंह कि पहली पुण्यतिथि 19 दिसम्बर को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के खोरठा विभाग में मनाया जायेगा। गौरतलब है कि रामगढ़ के लइयो निवासी स्व जगलाल भारतीय जन नाट्य संघ से जुड़ें थें और वे मूल रूप से खोरठा गीत ही गाते थे, इसलिए जगलाल को समर्पित खोरठा गीत प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कुल-कॉलेज के वर्ग 10 से स्नातक तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ बी एन ओहदार की अध्यक्षता में एक आयोजन समिति का गठन किया गया।जिसमे साहित्यकार बलराम सिंह, पन्नालाल राम, सुशील स्वतंत्र, मेघनाथ, पोवेल, प्रीतम झा, अंजनी कुमार समेत अन्य लोगों के नाम शामिल है।मौके पर डॉ ओहदार ने कहा कि झारखंड की स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को संरक्षित करने के लिए इस तरह का आयोजन बेहद जरूरी है। खोरठा संस्कृति के संरक्षण एवं उन्नयन के लिए साथ ही जगलाल को याद करते हुए राधा गोविंद विश्वविद्यालय के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सबों का सहयोग अपेक्षित है. बैठक में इप्टा से प्रदीप तरफदार एवं रविशंकर शामिल थे।अंत धन्यवाद ज्ञापन पोवेल के द्वारा किया गया।

नप सिरका में नालियों के लिए हुई है खुदाई

सिरका। नगर परिषद रामगढ़ क्षेत्र सिरका बाल मंडली पुराना ग्राउंड के आसपास नाली निर्माण के लिए बीते दिनो जेसीबी मशीन द्वारा खुदाई की गई है. जानकारी के मुताबिक यहां आस-पास पानी निकालने के लिए समुचित सुविधा नाली नहीं थी. जिसे लेकर नाली निर्माण करवाया जाना है. इससे आने वाले दिनों में लोगों को सुविधा मिलने की संभावना है।

पिंडरा से भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद

कुजू। रामगढ़ एसपी अजय कुमार के निर्देश पर ओपी क्षेत्र के पिंडरा परियोजना की ओबी डंप के पीछे जंगल से कुजू पुलिस ने अवैध कोयला उत्खनन कर भंडारण किए गए 35 टन कोयला बरामद किया। जानकारी के अनुसार, एसपी को क्षेत्र के पिंडरा परियोजना में ओबी डंप के पास कोयला तस्करों द्वारा जंगल में अवैध कोयला उत्खनन कर जमा किये जाने की सूचना मिला। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ओपी प्रभारी दिगंबर पांडेय को छापामारी करने का निर्देश दिया। निर्देश के बाद प्रभारी दिगंबर पांडेय अपने पुलिस बल और सीसीएल सुरक्षा कर्मियों के साथ जंगल में छापामारी कर लगभग 35 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया। जब्त कोयले को सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया।

आधुनिक शिक्षा व संस्कार देना ही हमारा उद्देश्य : प्रवीण राजगढ़िया

श्री अग्रसेन स्कूल का मना 25वां स्थापना दिवस, सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद का हुआ आयोजन

भुरकुंडा। पटेलनगर स्थित श्री अग्रसेन स्कूल का 25वां स्थापना दिवस शनिवार को मनाया गया। समारोह का उद्घाटन स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया और प्राचार्य विवेक प्रधान ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि विद्यालय बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए संकल्पित है। विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को संपूर्ण शिक्षा देते हुए उनकी सफलता की नींव तैयार करना है। इसी सोच के साथ विद्यालय आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनौतियों को भी स्वीकार कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हम तत्पर हैं। आधुनिक शिक्षा व संस्कार देना ही हमारा उद्देश्य रहा है। विद्यालय की सफलता के पीछे कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों का गहरा विश्वास है। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि हर बच्चे का भविष्य संवारने के लिए विद्यालय उन्हें सही मार्गदर्शन और शिक्षा देने में जुटा है। हमारी कोशिश है कि हर बच्चा अपने जीवन मे कामयाबी के शिखर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई को किसी दवाब के रूप में नहीं लेना चाहिए, बल्कि शांत मन से चीजों को समझने का प्रयास करना चाहिए। कभी भी किसी अच्छे चीज की शुरूआत करने से खुद को मत रोकें। यदि आप कुछ अच्छा करने को ठान लें, तो सफलता जरूर मिलेगी। स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों ने कई आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति की। खेलकूद गतिविधियों का भी आयोजन हुआ। स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों और शिक्षकों के बीच मिठाइयां बांटी गई।

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर एम्सः अनहता टेस्ट में हुआ था विवाद- बदला लेने रात में आए, गार्ड और छात्र को पीटकर किया घायल

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर एम्स के मेडिकल कालेज में छात्रों के वार्षिक कार्यक्रम को लेकर छात्रों के दो गुटों के बिच मारपीट हो गई। शनिवार रात में 12 बजे गेट नंबर 3 के पास मारपीट हुई है। इसमें एक छात्र को घायल बताया जा रहा है। इसके अलावा बीच बचाव में एक गार्ड भी घायल हुआ है।

बताया जा रहा है कि विवाद कनिका कपूर के कार्यक्रम निरस्त होने और इसके लिए वसूल गए पैसे को वापस नहीं करने पर हुआ। एम्स में प्रति वर्ष अनहता टेस्ट एमबीबीएस छात्रों के अंतमि वर्ष में होता है। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा गीत संगीत कार्यक्रम होता है। इस बार ये कार्यक्रम 2021 बैच के छात्रों ने करावाया था। इसी कार्यक्रम के दौरान विवाद होने की बात सामने आई है। बताया जाता है कि इसी विवाद का बदला लेने के चक्कर में शनिवार की देर रात फिर से एम्स परिसर के अंदर हॉस्टर के पास मारपीट की घटना हो गई। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है।

मुरादाबाद में दर्दनाक हादसाः बृजघाट से लौटते समय ऑटो ट्रक में घुसा, दंपती समेत तीन की मौत..

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद में शनिवार की रात पाकबड़ा इलाके में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब ऑटो तेज गति से चल रहे ट्रक में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मझोला थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर गली लाइनपार निवासी ऑटो चालक शीशपाल (50), उनकी पत्नी ओमवती (48), मीरपुर मंझोला निवासी बबलू उर्फ रामगोपाल (45), उनकी पत्नी लक्ष्मी (42), और दोस्त दिलीप कुमार (47) सभी लोग शनिवार रात गंगा स्नान के लिए बृजघाट गए थे।

रविवार तड़के करीब सभी घर आ रहे थे। तभी पाकबड़ा क्षेत्र में विल्सोनिया स्कॉलर्स होम के सामने यह हादसा हो गया। बताया गया कि आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे आ रहा ऑटो सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया। हादसे में ऑटो चालक शीशपाल, उनकी पत्नी ओमवती, और उनके दोस्त दिलीप कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। बबलू और उनकी पत्नी लक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने ऑटो में फंसे घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। घायलों को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर सुनते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। गांव के लोग भी शोक जताने के लिए परिजनों के घर पहुंचने लगे। पुलिस का कहना है कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक क्यों लगाया, इसकी जांच की जा रही है। चालक को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। दुर्घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसा बहुत तेज आवाज के साथ हुआ, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

मंत्री नंदी के फ्लीट की बोलेरो ट्रैक्टर से टकराई, हादसे में बाल बाल बचे मंत्री नंदी, तीन जवान घायल

प्रयागराज , एजेंसी। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 35वें स्थापना दिवस समारोह से लौटते समय प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के काफिल में शामिल एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा संत कबीरनगर जिले की कांटी चौकी के पास हुआ। कैबिनेट मंत्री की सुरक्षा में चल रही बोलेरो गाड़ी जिसमें सीआरपीएफ के जवान सवार थे, वो एक ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में सीआरपीएफ के तीन जवान जख्मी हो गए। तेज रफ्तार काफिले में अचानक बीच में ट्रैक्टर घुस गया। मंत्री का वाहन फार्च्यूनर कुछ सेकंड पहले ही पास हुआ था, वरना मंत्री में हादसे का शिकार हो सकते थे। मंत्री के गाड़ी के ठीक पीछे चल रही सीआरपीएफ के जवानों की बोलेरो ट्रैक्टर से टकरा गई।

स्क्रैप कारोबारियों से करोड़ों की खरीद-बिक्री केवल कागजों पर मिली, करोड़ों की कर चोरी की आशंका

कानपुर , एजेंसी। देश की दिग्गज इस्पात और स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी रिमझिम इस्पात समूह के प्रतिष्ठानों पर चल रही आयकर की जांच शनिवार को भी जारी रही। कानपुर के अलावा अलग-अलग शहरों के स्क्रैप कारोबारियों से करोड़ों की खरीद-बिक्री की जानकारी अफसरों को मिली है, जो केवल कच्चे पर्चों पर ही सीमित थी।

वहीं, कंपनी से जुड़े बड़े डीलर भूमिगत हो गए हैं। इनके जरिये 100 से 150 करोड़ का कारोबार हर महीने होता था। ओड़िशा में किए गए निवेश और कंपनी खरीद की प्रक्रिया को भी टीमें देख रही हैं। शुरूआती जांच में जो दस्तावेज टीमों के हाथ लगे हैं वो बड़ी कर चोरी की ओर इशारा कर रहे हैं। आयकर विभाग के 250 से ज्यादा अफसरों की अलग-अलग टीमों ने गुरुवार को कंपनी के मालिक योगेश अग्रवाल के कानपुर स्थित आवास, कॉरपोरेट कार्यालय उन्नाव, हमीरपुर की फैक्टरियों पर कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा कंपनी से जुड़े डीलरों के उप्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, हैदराबाद, कर्नाटक, हरियाणा, ओडिशा के 25 से ज्यादा प्रतिष्ठानों पर छापा मारा था। कानपुर में अलग-अलग 25 स्थानों पर जांच चल रही है। सूत्रों ने बताया कि समूह ने ओडिशा में बड़ा निवेश किया है। निवेश के धन और इसके स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है। कानपुर के साथ ही उप्र के अलग-अलग शहरों में स्क्रैप का कारोबार करने वाले से बड़े स्तर पर लेन देन मिला है। शहर के जिस मेटल कारोबारी के प्रतिष्ठान पर जांच चल रही है। उसका टर्नओवर 10- 20 करोड़ के करीब है। जबकि दुकान गली में स्थित है। ऐसे में स्क्रैप कारोबारियों के जरिए बिना बिल के करोड़ों के कारोबार की जानकारी अफसरों को मिली है। वहीं योगेश अग्रवाल के तिलकनगर स्थित आवास से नकदी मिली। अलग-अलग बैंकों के 10 लॉकर मिले हैं। जिन्हें सील किया गया है। बताया गया कि इन्हें जल्द खोला जाएगा। सोने-चांदी, हीरे के गहनों का मूल्यांकन कराया जा रहा है। इसके बाद ही अनुमानित रकम का खुलासा हो सकेगा।

बोगस फर्मों के जरिए लेन-देन से आ गए विभाग के रडार पर

सूत्रों के मुताबिक एक बोगस कंपनी में लगातार हो रहे लेनदेन से समूह आयकर अधिकारियों के रडार पर आया गया। लगातार 6-7 महीने से भी अधिक समय से विभाग समूह और दूसरे कंपनियों में होने वाले लेन-देन पर नजर रख रहा था। बोगस फर्मों में मोटी रकम लगाने की जानकारी मिल रही थी। विभाग के अधिकारी सबूत तैयार करते रहे। समय के साथ-साथ अधिकारियों को और बोगस फर्मों का पता चला। विभाग को 15 बोस फर्मों की जानकारी मिल चुकी हैं। विभाग छापे से पहले इन फर्मों के कार्यालय और अन्य पतों पर पड़ताल करता रहा लेकिन यह फर्में केवल कागजातों पर काम कर रही थी। सूत्रों के मुताबिक यह बोगस फर्में थी। जो दिल्ली, कोलकाता और हैदराबाद के पतों पर पंजीकृत हैं। इनके जरिए करोड़ों का लेन-देन लगातार किया जा रहा था।

भाजपा ने जान बूझकर दंगा कराया; लोगों को बांटना चाहते हैं, संभल की घटना पर बोले शिवपाल यादव

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि संभल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दंगा कराया है और जानबूझकर कराया है. ये प्रदेश में अमन चैन नहीं रहने देना चाहते हैं। हिंदू मुस्लिम करके भारतीय जनता पार्टी के लोग बांटना चाहते हैं।

बोले देश को तोड़ने का कर रहे काम

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब मिलकर लड़े थे। अब यह सभी को अलग करना चाहते हैं। अगर सभी अल्पसंख्यक लोगों को यह बांटने का काम करेंगे तो ये देश को तोड़ने का काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संघर्ष करेगी। आंदोलन करेंगे और देश को बंटने नहीं देंगे। उपचुनाव में शासन और प्रशासन ने वोटों की लूट की है। बेईमानी की है। इनसे लड़ेंगे। शिवपाल यादव शनिवार को मुजफ्फरनगर जा रहे थे। इसी दौरान मेरठ के परतापुर क्षेत्र में काशी टोल प्लाजा पर सपा समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत भी की।

डॉक्टर की कारस्तानी, पेट में था ट्यूमर... निकाल दी छोटी आंत, शिक्षिका की मौत

बरेली , एजेंसी। बरेली के एक निजी अस्पताल में पेट दर्द का इलाज कराने पहुंची निजी स्कूल की शिक्षिका की छोटी आंत डॉक्टर ने निकाल दी, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर संबंधित के खिलाफ तहरीर दी है।

पीलीभीत के थाना न्यूरिया के कस्बा मझोला निवासी शिक्षिका मिनी रस्तोगी (22) के इलाज के लिए पिता राजकुमार रस्तोगी पांच नवंबर को बरेली आए और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने जांच के लिए सैंपल लिया, पर रिपोर्ट आने से पहले ही आंत का ऑपरेशन कर दिया। जबकि, रिपोर्ट में पेट में ट्यूमर था।

आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही से मिनी की तबीयत बिगड़ी। ऑपरेशन के बाद हालत में सुधार नहीं हुआ और 22 नवंबर को उनकी मौत हो गई। तहरीर में परिजन ने डॉक्टर पर जानबूझकर रुपयों के लालच में मरीज की जान लेने का आरोप लगाया है।

आरोप यह भी है कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद रुपये वसूले गए। मौत के बाद जब इलाज की रिपोर्ट मांगी तो अस्पताल प्रबंधन ने देने से इन्कार कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई है।

सीएम योगी ने कहा- दहेज प्रथा पर कुठाराघात है सामूहिक विवाह योजना, 1209 जोड़े बंधे विवाह के बंधन में

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सामाजिक समता का प्रतीक के साथ समाज में फैली दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों पर कुठाराघात है। वे रविवार को गोरखपुर के फर्टिलाइजर स्थित ग्राउंड पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज 1209 जोड़ा विवाह के बंधन में बंधन में बंध रहे हैं। यह युवक युवतियां समाज में फैले दहेज प्रथा को नकार कर इस योजना में शामिल होकर मिशाल पेश कर रहे हैं। ऐसे आयोजन प्रदेश के हर जिलों में आयोजित किया जा रहा है। पिछले सात साल में प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना से जुड़ कर 3 लाख 84 हजार नौ जोड़ा दहेज प्रथा को नकार कर जुड़ चुके हैं।

इस सत्र के पूरा होने तक यह संख्या बढ़ाकर चार लाख पार कर जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा की सरकार समाज की हर कुरीतियों के खिलाफ लड़ने को तैयार है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नव दंपतियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्र पाल सिंह, विमलेश पासवान, राजेश त्रिपाठी, प्रदीप शुक्ला, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय आदि मौजूद रहें।

स्कूल में अचानक चक्कर खाकर गिरे सात विद्यार्थी, मची अफरातफरी; भूत-प्रेत की अफवाह से फैली दहशत

बरेली , एजेंसी। बरेली के नवाबगंज में मिड डे मील खाने के एक घंटे के बाद स्कूल में पढ़ने वाले सात बच्चे अचानक एक-एक कर चक्कर खाकर जमीन पर गिर गए। इसे देख स्कूली स्टाफ और बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। मामले की जानकारी मिलते ही अभिभावक स्कूल की तरफ दौड़े। बच्चों की हालत देख सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां कुछ देर बाद ही बच्चों को घर भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112, हल्का लेखपाल, स्वास्थ विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। हालांकि शिक्षा विभाग से कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। नवाबगंज विकासखंड के पूर्व माध्यमिक स्कूल, ईधजागीर गांव में 117 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। शनिवार को एक बजे मिड डे मील में आलू-टमाटर की सब्जी व चावल खाने के एक घंटे के बाद बच्चे परिसर में चक्कर खाकर गिरने लगे। बच्चों ने बताया कि उन्हें गले में जकड़न की समस्या थी। उसके बाद पैर-हाथ और पेट में दर्द उठने लगा। यह देख स्टाफ और बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। अभिभावकों ने बच्चों को निजी अस्पताल और सीएचसी में भर्ती कराया, जहां एक घंटे के बाद बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी से स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. विजय कुमार, फार्मासिस्ट सुभाष, हल्का लेखपाल योगेश कुमार, डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची गई, तब तक बच्चे अस्पताल के लिए निकल गए थे।

भूत-प्रेत के साए की भी रही चर्चा

ग्रामीणों के बीच भूत-प्रेत के साए की भी चर्चा रही। ग्राम प्रधान प्रेमशंकर गंगवार ने बताया कि रसोइया ने खाने में आलू-मटर और चावल बनाया था। बच्चों के खाने से पहले स्टाफ ने चखा है। यदि भोजन से दिक्कत होती तो सभी बच्चों को होती।

अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश

इंचार्य प्रधानाध्यापक सुषमा देवी ने बताया कि ग्रामीणों ने बच्चों के मन में डर बिठा दिया है। यह गलत है। मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया से एक-दूसरे को बच्चे देख गिर पड़े हैं। बाद में अस्पताल पहुंचते ही उपचार के बाद सभी सही हो गए। लोग बेवजह अफवाह फैलाकर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित गंगवार ने बताया कि सीएचसी पर दो बच्चों को लाया गया था। बच्चे पेट और हाथ-पैरों में दर्द बता रहे थे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बच्चों की हालत देखकर लग रहा था कि वह डरे और सहमे हुए हैं। स्वास्थ्य टीम मौके पर मौजूद रही।

अलीगढ़ में आठ साल की बच्ची की हार्ट अटैक से मौत, घर में बड़े भाई-बहन के साथ खेलते हुए सीने में हुआ दर्द

अलीगढ़ , एजेंसी। छोटे-छोटे बच्चों को भी दिल की बीमारी जकड़ रही है। शनिवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में हंसती खिलखिलाती, घर में इधर से उधर दौड़ रही आठ साल की बच्ची दीक्षा (8) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह अपने बड़े भाई-बहन के साथ खेल रही थी।

अचानक उसके सीने में दर्द उठा और बेहोश हो गई। परिजन उसे लेकर चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दीक्षा अलीगढ़ रोड स्थित लोधी नगर निवासी जीतू राजपूत की बेटी थी और ग्रीन वैली कान्वेंट पब्लिक स्कूल में कक्षा एक में पढ़ती थी। इसी स्कूल में आठवीं कक्षा में उसकी बड़ी बहन मोनिका (15) और सातवीं में उसका भाई समीर (13) भी पढ़ता है। ताऊ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे वह घर में ही अपने भाई और बहन के साथ खेल रही थी। बच्चे खेलते हुए घर के आंगन में इधर से उधर दौड़ रहे थे। अचानक उसके सीने में दर्द उठा और वह चीख पड़ी। परिजन कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह बेहोश हो गई। घर वाले तुरंत उसे लेकर मोहल्ले

में ही एक निजी चिकित्सक के यहां पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने हार्ट अटैक से मौत होने की बात कही है।

आज स्कूल के वार्षिकोत्सव में करना था नृत्यः ग्रीन वैली कान्वेंट स्कूल का रविवार को वार्षिकोत्सव है। दीक्षा को इसमें नृत्य की प्रस्तुति देनी थी और वह इसे लेकर काफी उत्साहित थी। इसकी तैयारी भी उसने कर रखी थी। परिजन भी खुश थे और उसके लिए ड्रेस भी तैयार की थी। अचानक उसकी मौत से परिवार सदमे में है। घर वालों ने बताया कि दीक्षा ने परिवार के सभी लोगों से कहा था कि उसका नृत्य देखने के लिए सभी आएं। सभी ने वहां जाने की तैयारी भी कर ली थी।

एक पखवाड़े में हार्ट अटैक से हुई पांच की मौतः बीते एक पखबाड़े में अलीगढ़ और हाथरस में हार्ट अटैक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें हाथरस के शिवम, छर्रा के मोहित, अलीगढ़ के सैयद बरकात हैदर, डॉ लवनीश अग्रवाल, खैर के गांव अर्राना की ममता शामिल है।

दौड़ते समय पड़ा दिल का दौरा, बिटिया की मौतः खैर कोतवाली के गांव अर्राना निवासी 20 वर्षीय ममता को शनिवार की सुबह दौड़ते समय दिल का दौरा पड़ा था, जिससे मौत हो गई थी। पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा पास करने के बाद वह गांव के बाहर मैदान में अपनी बहन और गांव की अन्य लड़कियों के साथ सुबह दौड़ की तैयारी कर रही थी।

दौड़ लगा रहे किशोर की हार्टअटैक से मौतः छर्रा के स्कूल में सात सितंबर को होने वाली वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए दौड़ का अभ्यास कर रहे 14 वर्षीय मोहित चौधरी की शुक्रवार हार्ट अटैक से मौत हो गई।

यूपी में चारा घोटालाः गायों के चारे में कमीशन का खेल, सचिव और ग्राम प्रधान से लेकर आपूर्तिकर्ता तक शामिल

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में गो आश्रय स्थल में गोवंश के चारे, चोकर, चूनी व भूसे की आपूर्ति में किस तरह भ्रष्टाचार हो रहा है। इसकी तस्दीक प्रधान, सचिव व आपूर्तिकर्ता की बहस का एक वायरल ऑडियो खुद ही तस्दीक कर रहा है। फिलहाल मामले में बीडीओ ने कार्रवाई की बात कही है।

मामला मोहनलालगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत खुजौली का है, जहां के गो आश्रय केंद्र में पहुंचने वाले हरा चारा, चूनी, चोकर व भूसे की 80 हजार रुपये की कमीशनबाजी को लेकर प्रधान, सचिव व आपूर्तिकर्ता में फोन पर ही बहस हो गई। इसके बाद एक पक्ष ने पूरी बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

ठेका दिलाया लेकिन कमीशन फंसा दियाः वायरल ऑडियो में सचिव चारा आपूर्ति करने वाले एक व्यक्ति को सजातीय होने का हवाला देते हुए चूनी, चोकर, हरे व सूखे चारे की आपूर्ति में बने 80 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। इसमें कहा, ठेका दिलाया लेकिन फिर भी कमीशन फंसा दिया। इसके बाद चारा आपूर्ति करने वाले व्यक्ति ने कथित प्रधान को फोन मिलाकर कमीशन फंसाने का आरोप लगाया। कथित ग्राम प्रधान ने कहा, एक गाड़ी चारा 30 हजार का होता है, लेकिन 40 हजार देने की बात कही।

लगाए जाते हैं लाखों के फर्जी बिलः जानकार बताते हैं कि अगर जांच हो तो इलाके में बड़े चारा घोटाले का खुलासा हो सकता है। ग्राम पंचायत, ब्लॉक से लेकर जिले पर बैठे लोग बेनकाब हो सकते हैं। गो आश्रय केंद्रो तक चूनी चोकर पहुंचता ही नहीं। लेकिन हर महीने एक से डेढ़ लाख रुपये के फर्जी बिल लगाकर रकम का बंटवारा किया जा रहा है।

सचिव ने किया इन्कारः खुजौली के ग्राम पंचायत सचिव अकरम अंसारी ने बताया कि चारा आपूर्ति करने वाले इबरार से हमने कमीशन नहीं मांगा। पूर्व प्रधान ने इबरार को परेशान किया था। इसलिए हमने अपने कार्यकाल में काम दिला दिया था।

संपादकीय

जलवायु संकट-अब क्यों भाग रहे विकसित देश

इसमें कोई दो राय नहीं कि जलवायु संकट आज विश्व भर में सभी देशों की चिंता में सबसे ऊपर है और इसके खतरे को कम करने या इससे पूरी तरह निपटने के लिए सभी देशों को अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति जाहिर करनी होगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दिनोंदिन गहराते जा रहे इस संकट और इसके प्रभाव पर सभी देश विमर्श तो करते हैं, मगर इससे पार पाने के उपायों को लेकर वही देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं, जिनकी भूमिका इस मुश्किल को बढ़ाने में ज्यादा रही है। विकसित देशों का यह रुख अपने आप में परेशान करने वाला है कि वे पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर हर बार दोहरा रवैया अपनाते हैं और इस मसले पर होने वाली तमाम बैठकों का हासिल अपने किसी मकसद तक नहीं पहुंच पाता। इस बार अजरबैजान के बाकू में भी सीओपी-29 की बैठक में उम्मीद जरूर की गई थी कि शायद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से बढ़ते वैश्विक तापमान और उससे निपटने के उपायों को जमीन पर उतारने को लेकर विकसित देश वास्तव में कुछ ठोस पहल करेंगे। मगर यह अफसोस की बात है कि इस विश्वव्यापी संकट के सवाल पर विकसित देशों को अपनी सुविधा कायम रखना ज्यादा अहम लगता है। गौरतलब है कि बाकू में संपन्न हुए जलवायु शिखर सम्मेलन में समृद्ध देशों ने जलवायु वित्त पोषण के रूप में हर वर्ष तीन सौ अरब डालर की सहायता देने पर समझौता किया, वह भी सन 2035 से। जबकि विकासशील देशों की मांग तेरह सौ अरब डालर की थी। यानी एक तरह से विकासशील देशों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। विकसित देशों के रुख और सहायता राशि में इतने बड़े अंतर पर विकासशील देशों के बीच गहरी निराशा पैदा हुई और इस पर मतभेद उभरना स्वाभाविक था। भारत की ओर से यह साफ तौर पर कहा गया कि वह इस प्रस्ताव को वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करता है, क्योंकि प्रस्तावित राशि बहुत ही कम है और यह हमारे देश के अस्तित्व के लिए जरूरी जलवायु कार्रवाई को असंभव बनाएगी। समस्या के स्वरूप और उससे निपटने के उपायों के मद्देनजर भारत की आपत्ति को विकासशील देशों का समर्थन मिला, वहीं विकसित देशों के बीच एक विचित्र चुप्पी देखी गई।

असहमति के बीच कॉप-29 का समापन

अजरबैजान की राजधानी बाकू में हो रही 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-29) का जिस तीखी असहमति और कड़वे बयानों के साथ समापन हुआ, उसे किसी भी रूप में पॉजिटिव नहीं कहा जा सकता। क्लाइमेट चेंज जैसे अहम मसले पर विकासशील और विकसित देशों के बीच अविश्वास और संदेह का माहौल बनना भविष्य में सभी देशों की साझा पहल की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। विकासशील देशों में इस तरह से छले जाने का भाव पैदा होने के पीछे सबसे बड़ी वजह रही विकसित देशों की कंजूसी। कहां तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने वाले कदमों का खर्च उठाने में विकासशील देशों की मदद करने के लिए सालाना 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान जुटाने की बात थी और कहां विकसित देश सालाना 300 बिलियन डॉलर पर आकर ठहर गए। जिस तरह से इस मामूली और नाकाफी टारगेट को तय किया गया - न तो इस पर ढंग से चर्चा होने दी गई और न ही संबंधित राष्ट्रों को विरोध दर्ज करने का मौका दिया गया - उससे भी विकासशील देशों में नाराजगी पैदा हुई। एक और बात यह रही कि यह रकम भी विकासशील देशों को पूरी तरह ग्रांट के रूप में नहीं मुहैया कराई जाएगी। इसे विभिन्न सरकारों के साथ ही प्राइवेट स्रोतों से भी जुटाने की बात है जिसमें मल्टिलैटरल डिवेलपमेंट बैंक भी शामिल हैं। जाहिर है, कर्ज और उससे जुड़ी शर्तें भी विकासशील देशों के हिस्से आने वाली हैं। सम्मेलन के आखिर में बने इस माहौल से अलग हटकर देखा जाए तो दिलचस्प है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का कार्यकाल अभी शुरू नहीं हुआ है, न ही वह इस सम्मेलन में मौजूद रहे, इसके बावजूद सम्मेलन पर उनका साया महसूस होता रहा। फंड कम हो या ज्यादा, पर क्लाइमेट चेंज को लेकर जिस तरह की वैश्विक सहमति हासिल की जा चुकी है, भारत ने अपनी अब तक की भूमिका के अनुरूप ही विकसित देशों के नकारात्मक रुख का तीव्र विरोध करने में विकासशील देशों की अगुआई की और ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं का ख्याल न रखने वाले इस फैसले को गलत बताया। बहरहाल, असंतोष और नाराजगी के बावजूद यह ध्यान रखना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने के वैश्विक संकल्प को कमजोर न पड़ने दिया जाए।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

(ललित गर्ग)

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड्स' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं

> *वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है।*

सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं। बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा। बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

यूपी बीजेपी को मिलेगा ऐसा अध्यक्ष जो साधेगा सामाजिक समीकरण

(संजय सक्सेना)

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नए साल में प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। वहीं 16 से 30 दिसंबर के बीच जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की संगठनात्मक चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नये अध्यक्ष की तलाश काफी तेजी से चल रही है। बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन के जरिए एक मजबूत सोशल इंजीनियरिंग बनाने की रणनीति पर काम कर रही है,जिसके चलते संभावना व्यक्त की जा रही है आलाकमान इस बार नये प्रदेश अध्यक्ष के पद पर किसी ऐसे नेता को बैठा सकता है जो दलित या महिला समाज से ताल्लुक रखता हो, इसके जरिये बीजेपी की सभी जातियों और वर्गों के बीच बैलेंस बनाने की है। गत दिवस 27 नवंबर को हुई बैठक में राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी नरेश बंसल ने कहा कि संगठन में सभी जातियों और वर्गों को उचित स्थान दिया मिलेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि महिलाओं और दलितों की सहभागिता बढ़ाने पर बीजेपी खास ध्यान देगी ताकि राजनीति में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। बैठक में साफ तौर पर कहा गया है कि बीजेपी कोई परिवारवादी पार्टी नहीं, बल्कि परिवार भाव से चलने वाली पार्टी है. बीजेपी की दलित और महिलाओं को संगठन में जगह देकर भविष्य की राजनीति को साधने की स्ट्रैटेजी है। ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नए साल में प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। वहीं 16 से 30 दिसंबर के बीच जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की संगठनात्मक चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है। तावडे एक दिसंबर को चुनाव के संबंध में आयोजित बैठक में हिस्सा लेंगे। इससे पहले 28 से 2 दिसंबर तक जिला स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। चुनाव के लिए प्रत्येक तीन जिलों के लिए एक केंद्रीय पर्यवेक्षक बनेगा। वहीं 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का चयन होगा। 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि बूथ स्तर पर मनाई जाएगी। वहीं 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाएगी। तत्पश्चात 27 दिसंबर को पार्टी बाल शहीद दिवस मनाएगी। बता दें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल पूरा हो चुका है और उनकी जगह पर नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। इससे पहले बीजेपी सभी बूथ कमेटी का गठन करने में लगी है, जिसके लिए 30 नवंबर की टाइम लाइन रखी गई है। यूपी में करीब 1.62 लाख से ज्यादा बूथों पर गठन होना है, जिसमें 35 फीसदी बूथों पर कमेटियां गठित हो चुकी हैं, जबकि बाकी बची बूथ कमेटियों का गठन 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाए। इसके बाद फिर एक से 15 दिसंबर के बीच मंडल अध्यक्ष और 16 से 30 दिसंबर तक जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया चलेगी. इससे पहले जिला स्तर पर बीजेपी कार्यशालाएं आयोजित करेगी। उधर, बीजेपी ने संगठन में युवाओं को अहमियत देने के उम्र लिमिट तय कर दी है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने बताया कि मंडल अध्यक्ष की आयु 35 से 45 वर्ष के बीच और जिलाध्यक्ष की आयु 45 से 60 वर्ष के बीच होगी। ऐसे में साफ है कि बीजेपी 45 साल से ऊपर के उम्र वालों को मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी और न ही 60 साल से ज्यादा उम्र वालों को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपेगी। बीजेपी ने तय किया है कि दो बार मंडल अध्यक्ष रहने वाले नेताओं को तीसरी बार मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी। इसके अलावा बीजेपी ने जिला अध्यक्ष के लिए तय किया है कि जिला अध्यक्ष की कमान उसे ही मिलेगी, जो 7 से 8 साल तक संगठन में काम करने का अनुभव होगा। इसके अलावा मौजूदा समय में बीजेपी के संगठन में किसी पद पर होना हो, उसे ही पार्टी जिले का अध्यक्ष बनाएगी।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5569

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5568

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

आज का राशिफल

मेष

आज सफलता मिलती जाएगी। इस समय आपके करियर में लंबी यात्राएं फायदेमंद रहेंगी। व्यापारियों को इन यात्राओं से लाभ होगा। आर्थिक रूप से भाग्य का साथ मिलेगा। धन की बचत भी होगी। पार्टनर के साथ रिश्ते में खुशियां आएंगी। रिश्ता मजबूत होगा। दोनों खुश रहेंगे। जिन लोगों का खुद का बिजनेस है, वे अगर खुद का बिजनेस करेंगे।

वृष

आज लाभ होगा और आपके लिए उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे। अध्ययन और आध्यात्म के क्षेत्र में बढ़ना स्वाभाविक है। विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। रुपया उधार न दें वापस नहीं मिलेगा। माता-पिता-गुरु की सेवा, देव पूजन में भी ध्यान लगाना न भूलें।

मिथुन

आज लाभ और तरक्की प्राप्त होगी। कारोबार की चिंता आपको परेशान करेगी। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमित नहीं है। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय आदि के क्षेत्र में यदि आप पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य और आराम को छोड़ना पड़ेगा।

कर्क

आज लाभ होगा और आपको उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से लाभ प्राप्त होगा। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। आध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। यात्रा, मंगलोत्सव का संयोग बन रहा है, समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा। मामा पक्ष से सहयोग मिलेगा।

सिंह

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके लिए तरक्की के योग बने हैं। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपको क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों के साथ आपके संबंध पहले से बेहतर होंगे और आपको लाभ होगा। व्यर्थ के झंझटों से बचें और अपने काम पर फोकस करें।

कन्या

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपके घर में किसी शुभ मांगलिक कार्य की चर्चा हो सकती है। जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की खरीद करनी चाहिए। शाम के समय आपके घर में किसी मेहमान का आगमन हो सकता है।

तुला

आज करियर में दिन सफलता से भरा होगा और आपके लिए तरक्की के विशेष योग बने हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आपको कहीं जरूरी काम से बाहर जाना पड़ सकता है। आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा कर लें तो आपका दिन सम्मान से भरा होगा। आपको कुछ समय के बाद इससे भी बेहतरीन अनुबंध प्राप्त होंगे। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक

आज दिन परेशानी और चिंता में बीतेगा। ऑफिस में आपका किसी से विवाद हो सकता है। हर काम बेहद संभलकर करें, वरना आपको नुकसान हो सकता है। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपको परेशान कर सकती है। अपने साहस और बुद्धिमानी से इन लोगों को पराजित कर सकते हैं। मन की दुर्बलता और दुर्गुणों का त्याग करें। तो इन यात्राओं से आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है।

मकर

आज करियर के मामले में लाभ और तरक्की हासिल होगी और आपके सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। कार्य-व्यवसाय में तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। नवीन योजनाएं सफल होंगी और आपको भाग्य का साथ मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें, समय बहुत ही अनुकूल है।

कुंभ

आज दिन सफलता और तरक्की से भरा होगा और आपको नए संपर्क से लाभ मिलेगा। आपको रुका धन कठिनाई से मिलेगा और आपकी योजनाएं अधूरी रह जाएंगी। आपको रुआ हुआ धन कठिनाई से मिलेगा, रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यवसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आपकी तरक्की होगी। नवीन योजनाएं सफल होंगी और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन तरक्की से भरा होगा। आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए कटिबद्ध रहते हैं। आज भी आप उनकी सेवा में लगे रहेंगे। यदि सबकी सहमति हो जाए तो कहीं स्थान परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं। आपको लाभ और तरक्की हासिल होगी।

मीन

आज दिन हर मामले में शुभ होगा और आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नज़र भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखने से आपको लाभ होगा और आप निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है। व्यर्थ की मान बढ़ाई से बचें और अपने काम पर ध्यान दें।

वर्ग पहेली 5569

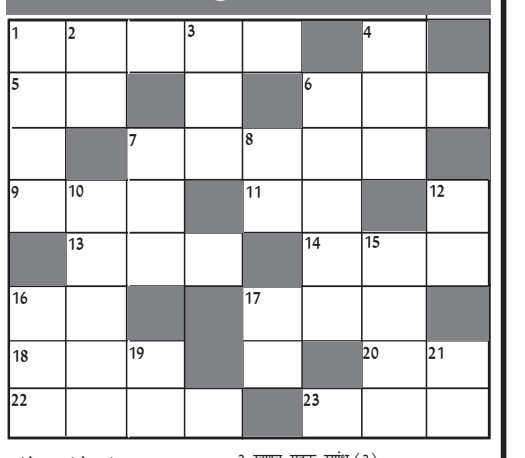

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले प्रथम भारतीय गेंदबाज (5)
5. संगीत में स्वर का विस्तार, समुद्र की तरंग, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
6. अनुमान, अंदाज, अटकल (3)
7. लक्ष्मी के पति होने के कारण पुराणानुसार भगवान विष्णु का एक नाम (5)
9. नीरोग, चंगा, तंदुरूस्त (3)
11. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके (2)
13. अवसर की प्रतीक्षा में रहना, ध्यानपूर्वक देखना (3)
14. छेद करना, आहत करना (3)
16. पुराणानुसार महर्षि विश्वामित्र के पिता और कुशिक राजा के पुत्र (2)
17. जलता हुआ, प्रदीप्त, प्रकाशमान, पुरानी फिल्मों के दिवंगत संगीतकार (3)
18. य नामक वर्ण (3)
20. पंख, डैना, किंतु, परंतु (2)
22. हाथ जोड़कर (4)
23. बेटी की बेटी यह कहलाती है (3)

ऊपर से नीचे
1. सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात, खतरे की पूर्व सूचना (4)
2. देह, काया, शरीर, बदन (2)
3. खुशबु, महक, सुगंध (3)
4. चंद्रवंश के पांचवे राजा जिनका विवाह दैत्यगुरू शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से हुआ था (3)
6. धोखा देने का भेष (5)
7. धतुरा स्वर्ण (3)
8. इंद्र धनुष के रंगों में से एक (2)
10. वोट देने की पात्रता (3)
12. अवाक, चुप, खामोश, चुप्पी (2)
15. धन-देव, धनवान व्यक्ति, मालदार (4)
16. गीत गाने या प्रस्तुत करने वाला (3)
17. उर्दू भाषा में व्रत को यह कहा जाता है (2)
19. प्रभु, परमेश्वर (पंजाबी) (2)
21. क्रिकेट में खिलाड़ियों का मापदंड (2)

वर्ग पहेली 5568 का हल

स	त्य	ना	रा	य	ण	सि	न्हा
त्य		ग	ज	र		वा	
ना	लं	दा		थ	न		वि
रा	ब		मु	रा	द		ज
य		रा		ना	र	की	य
ण		ज	ज			तिं	
		गु	ल	जा	र		ह
आ	ब	रू		वा	म	ह	स्ती

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है

न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सों का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठय़क्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सर्जन को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

पुष्पा 2: द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।

गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में तोड़ा यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2: द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1:00 बजे, शाम 5:00 बजे और रात 9:00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12:00 बजे, शाम 4:00 बजे और 8:00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।

प्रतिदिन चलेंगे 18 शो

प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पुष्पा 2: द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

9 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेंगे सूर्या और तृषा कृष्णन

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं क्योंकि सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त रही है। सूर्या 45 का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेता को तमिलनाडु के पोलाची में श्री मसानिअम्मन मंदिर में निर्देशक आरजे बालाजी के साथ आगामी फिल्म के लिए पूजा समारोह में भाग लेते देखा गया। एकादशी के शुभ अवसर पर, सूर्या और आरजे बालाजी के साथ उनकी टीम समारोह के लिए प्रसिद्ध मंदिर में एकत्रित हुई। भगवान के आशीर्वाद के साथ फिल्म का मुहूर्त शॉट लिया गया। आइए इसके शूटिंग शेड्यूल पर गौर फरमा लेते हैं-

सूर्या 45 की शूटिंग का पहला शेड्यूल 28 नवंबर, 2024 को कोयंबटूर में होगा। सूर्या 45 लगभग दो दशकों के बाद सूर्या और तृषा कृष्णन को स्क्रीन पर साथ ला रही है। दोनों को आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में एक साथ देखा गया था। यह फिल्म सूर्या और आरजे बालाजी के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए एआर रहमान को संगीतकार के रूप में चुना गया है। सूर्या 44 पर भी चल रहा काम सूर्या अगली बार कार्तिक सुब्बाराज की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे, जिसका अस्थायी नाम सूर्या 44 है। सूर्या के साथ, फिल्म में पूजा हेगड़े, जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर और प्रकाश राज जैसे अन्य कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। शूटिंग पूरी होने और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर होने के साथ, निर्माता इसे 2025 की गर्मियों में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

पर्दे पर पस्त हुई कंगुवा

सूर्या 44 और सूर्या 45 के अलावा अभिनेता की पाइपलाइन में वेत्री मारन की वादीवासल और लोकेश कनगराज की रोलेक्स स्टैंडअलोन फिल्म भी है। इस तरह अभिनेता की आगामी लाइन-अप आशाजनक लगती है। वहीं, सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। समीक्षाओं का असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है।

बाहुबली की सफलता के बाद अपनी भूमिकाओं पर तमन्ना भाटिया का खुलासा

तमन्ना भाटिया ने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने फिल्म श्री से तेलुगु इंडस्ट्री में भी कदम रखा और उसके अगले साल केडी से तमिल में डेब्यू किया। तब से तमन्ना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं। लेकिन ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म बाहुबली 1 और बाहूबली 2 उनके जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ था। बाहुबली की आपार सफलता के बाद तमन्ना का जीवन कैसा था। तमन्ना भाटिया जब फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब वह नई थीं। इसलिए, ग्लैमर और चकाचौंध की दुनिया की भाषा और संस्कृति से तालमेल बिठाने के दौरान अभिनेत्री को शुरुआती सालों में काफी संघर्ष करना पड़ा था। अब तक, उन्होंने केवल 19 सालों में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बहरहाल, तमन्ना इन दिनों अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार में व्यस्त हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने करियर में शुरुआती संघर्षों के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, मुझसे बहुत बड़े लोगों के साथ और ऐसी जगह पर काम करना जहां मुझे भाषा नहीं आती थी, मेरी सबसे बड़ी सीखों में से एक थी। मैंने एक पूरी तरह से अलग संस्कृति को समझा और अब मैं तमिल और तेलुगु दोनों में बोल सकती हूं।55 मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल और तेलुगु में अपनी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की व्यावसायिक सफलता के बाद अपने करियर में आए बदलाव के बारे में बताते हुए तमन्ना ने कहा, मुझे व्यावसायिक सफलता तो मिली, लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मैं अभी भी सीख रही थी। मैं अलग-अलग तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहती थी, जब कोई अभिनेता व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह धारणा बन जाती है कि इससे दूर जाना और भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना अनावश्यक है, लेकिन मेरा फंडा हटके था... मैं शुरू से ही अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी। तमन्ना ने अपनी जीवन पर बाहुबली के प्रभाव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सभी के लिए एक गेम-चेंजर फिल्म थी, लेकिन इसने वास्तव में मेरी सोच और समझ को व्यापक बनाया। आप बाहुबली से बड़ा कुछ कैसे कर सकते हैं? मुझे आगे क्या करना चाहिए? क्या मुझे कुछ बड़ा करना चाहिए? या मुझे फिर से आविष्कार करना चाहिए।

काली काली आंखें को मिली तारीफ से गदगद हैं आंचल

आंचल सिंह की सीरीज काली काली आंखें का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इसमें उनके साथ ताहिर राज भसीन, सौरभ शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह नजर आ रहे हैं। इनके अलावा इस बार गुरमीत चौधरी भी उनका साथ देते हुए नजर आ रहे हैं। शो में एक बार फिर से रणनीति और लुका-छिपी का खेल देखने को मिल रहा है। इसका पहला सीजन साल 2022 में आया था और अब दो साल बाद इसका अगला सीजन रिलीज हुआ है। अभिनेत्री ने सीजन 2 को मिले प्यार पर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों से इतने ज्यादा प्यार की उन्हें उम्मीद नहीं थी। दर्शकों ने इस शो को उनकी उम्मीद से भी ज्यादा प्यार दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें लगातार अलग-अलग शहरों से लोग कमेंट और मैसेज के जरिए प्यार जता रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अक्सर लोग कहते हैं कि सीजन 2 सीजन 1 से अच्छा नहीं होता है, लेकिन लोगों को इसका सीजन 2 काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। हम सभी ने इसे बहुत प्यार और शिद्दत से बनाया है। मैं बहुत खुश हूं कि हमारी सीरीज ट्रेंडिंग में है।

चुनौती भरा रहा शूटिंग का अहसास

आंचल ने इस बातचीत में आगे बताया कि इस बार काली काली आंखे में बहुत कुछ हो रहा है। इसमें पॉलिटिक्स, प्यार के साथ और भी कई चीजें देखने को मिल रही हैं। हालांकि, लोग इसमें प्यार के लिए हदें पार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह सीजन दो साल के बाद आया है। इस गैप के पीछे की वजह है कि लोगों द्वारा इसे प्यार मिल रहा है। कई लोगों को इस बार की स्टोरी लाइन, ड्रामा काफी नया लग रहा है और लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीरीज को मुंबई, मनाली और लंदन में शूट किया गया है। इसके लिए उन्हें तीन बजे सुबह उठना पड़ता था। बर्फ के बीच इसकी शूटिंग करना उनके लिए काफी चुनौती भरा था, लेकिन उन्हें ये करने में काफी मजा आया।

इस किरदार के बाद लगा मेरा नया जन्म हुआ है

अभिनेत्री ने अपने किरदार अपूर्वा को लेकर कहा कि उसमें उन्हें काफी गहराई नजर आती है। उनका किरदार इमोशनल है, फाइटर है और वो हर परिस्थिति से लड़ने को तैयार रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने किरदार से सीखा कि इंसान को वास्तविक जीवन में अपने स्वाभाव के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अपूर्वा प्यार करती है, तो छिपाती नहीं है। वो हमेशा अपनी चीजों को दिखाने और कहने के प्रति ईमानदार रहती है। यह किरदार मेरे लिए जिंदगी भर खास रहेगा। इस किरदार के बाद लगा कि मेरा नया जन्म हुआ है।

चंकी पांडे ने संघर्षों पर की बात बताया कैसे बन गए प्रॉपर्टी डीलर

चंकी पांडे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। अस्सी और नब्बे के दशक की शुरुआत में एक सफल करियर के बाद बतौर मुख्य किरदार उनके लिए अवसर कम होते चले गए। इसके बाद उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दी। हाल में ही बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में काम करने और वहां जीविका कमाने के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस बातचीत के दौरान चंकी ने बांग्लादेश में काम करने और जीविका कमाने के लिए संघर्ष करने को याद किया। इसे लेकर अनन्या ने उनसे पूछा कि 90 के दशक की शुरुआत के बाद चंकी का करियर ढलान पर आ गया, तो क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि यह अंत है। चंकी ने जवाब देते हुए कहा, हां हां। अंत का मतलब है कि यह म्यूजिकल चेयर्स की तरह था और जब संगीत बंद हो गया, तो आपके पास बैठने के लिए कुर्सी नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे पास ब्लॉकबस्टर फिल्में थीं।

बांग्लादेश में प्रॉपर्टी डीलर और इवेंट मैनेजमेंट में किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, इसलिए मैं बांग्लादेश चला गया, वहां फिल्में कीं। सौभाग्य से वे कामयाब रहीं और मैंने 4-5 साल तक उसे अपना घर बना लिया, लेकिन यह डरावना था।असल में मैंने काम करना बंद नहीं किया। मैंने एक इवेंट कंपनी खोली। फिर मैंने इवेंट करना शुरू किया। मैंने जमीन का सौदा करना, प्रॉपर्टी खरीदना शुरू किया। मैंने बस अपने अहंकार को किनारे रखा और खुद से कहा कि मुझे जीवित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने ये सब किया लेकिन मैंने उस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीखा।

तमाम चुनौतियों के बाद डटे रहे चंकी

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, चंकी पांडे का करियर चलता रहा है। 1980 के दशक में तेजाब और आंखें जैसी हिट फिल्मों से स्टारडम हासिल करने के बाद, उन्होंने 2000 के दशक में खुद को एक चरित्र अभिनेता के रूप में फिर से स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने हाउसफुल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए काफी तारीफ भी हासिल की। इस लगातार बदलते उद्योग में खुद को ढालने और बने रहने की उनकी क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है।

पुष्पा की शूटिंग जल्दी खत्म करना चाहते थे अल्लू अर्जुन

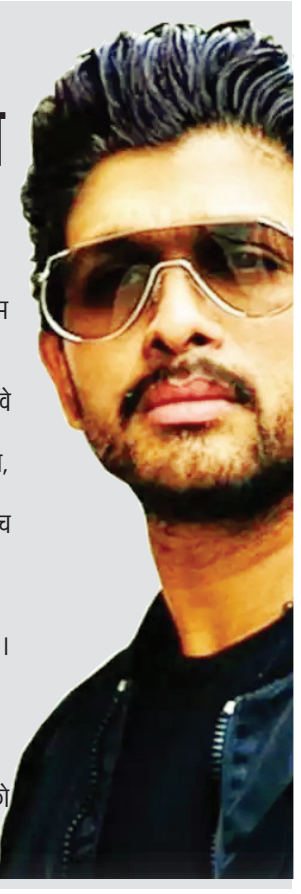

तेलुगू स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अपने काम के अनुभव को लेकर बात की। फिल्म पुष्पा- द राइज को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शूटिंग से जुड़ी कुछ खास बातें साझा की हैं। अल्लू अर्जुन ने बताया कि पिछले पांच साल से इस फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। वे जल्द से जल्द पुष्पा की शूटिंग खत्म करना चाहते थे। वे अपने किरदार के लिए अपनी दाढ़ी बढ़ाने के लिए बाध्य थे, इसलिए वे जल्दी शूटिंग खत्म कर उसे हटाना चाहते थे। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैंने इस फिल्म की शूटिंग लगभग पांच साल तक की, जिसमें पहला और दूसरा भाग भी शामिल है। मैं इस फिल्म के खत्म होने का इंतजार कर रहा था ताकि मैं क्लीन शेव कर सकूं। मेरी बेटी मेरे पास नहीं आती क्योंकि मैं उसे चूम नहीं सकता क्योंकि मेरी दाढ़ी है। मैंने पिछले तीन-चार सालों में उसे ठीक से चूमा नहीं है। अल्लू अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने पुष्पा की शूटिंग पूरी कर ली तो अगले दिन वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, अगले दिन जब शूटिंग पूरी हो गई, मैं शांत सा हो गया। ये मेरे लिए बहुत कठिन समय था। मैं जिन चेहरों को पिछले पांच साल से देख रहा था, उन्हें मैंने फिर देखा।

संक्षिप्त समाचार

1 पर 1 शेयर फ्री दे रही पदम कॉटन यार्न

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड आज हम आपको एक ऐसे शेयर के बारे में बता रहे हैं जो कि पिछले छह महीने में 600 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। वर्तमान में इस शेयर की कीमत 245 रुपये है और छह महीने पहले यह शेयर 35 रुपये के भाव पर था। अब कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। हम बात कर रहे हैं- पदम कॉटन यार्न के शेयर की। पदम कॉटन यार्न ने ने अपने शेयरधारकों के लिए 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि हर एक शेयर पर एक शेयर फ्री में दिया जाएगा। बता दें कि कंपनी सूत बनाती है और कृषि इक्विपमेंट का कारोबार में सक्रिय है। कंपनी कपड़ा संबंधी कंसल्टेंसी प्रोवाइड करती है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 27 नवंबर को हुई अपनी बैठक के दौरान 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी। इसका मतलब यह है कि शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक मौजूदा इक्विटी शेयर के लिए, उन्हें एक अतिरिक्त इक्विटी शेयर प्राप्त होगा। इन बोनस शेयरों का मुद्दा शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने अभी तक अपने आगामी बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड तारीख की घोषणा नहीं की है। बता दें कि रिकॉर्ड डेट कंपनी द्वारा तय की गई तारीख है कि कौन से शेयरधारक बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। जो शेयरधारक रिकॉर्ड तिथि पर कंपनी के इक्विटी शेयर रखते हैं, वे निर्दिष्ट अनुपात में बोनस शेयर प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

गुजरात की कंपनी का आ रहा आईपीओ, सेबी की मंजूरी का इंतजार, 70 लाख होंगे फ्रेश शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ मार्केट में टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़ी कंपनी- बोराना वीव्स लिमिटेड की एंट्री हो सकती है। गुजरात की इस कंपनी ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस मेनबोर्ड आईपीओ में 70 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। सेबी की मंजूरी के बाद कंपनी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड और लिस्टिंग समेत अन्य जानकारियां देगी। इस आईपीओ का लक्ष्य वृद्धिशील वर्किंग कैपिटल जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए फंड सुरक्षित करना भी है। बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड आईपीओ का रजिस्ट्रार है। इसके इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। सूरत में तीन इकाइयों वाली कंपनी बोराना वीव्स बिना ब्लीच किए सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक के निर्माण में माहिर है। इसका उपयोग अक्सर फैशन, पारंपरिक वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, गृह सजावट और इंटीरियर डिजाइनिंग जैसे उद्योगों में आगे की प्रक्रिया (रंगाई और छपाई सहित) के लिए किया जाता है।

रस्ते का माल सस्ते में... चीन से आ रहे घटिया पावर बैंकों पर सरकार की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन में बने घटिया क्वालिटी के पावर बैंकों की बढ़ती बिक्री ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकार को इनके आयात को रोकने के लिए कदम उठाने पड़ रहे हैं क्योंकि ये देश में प्रतिस्पर्धा को बिगाड़ सकते हैं। साथ ही ये सुरक्षा तथा प्रदर्शन के मानकों पर उपभोक्ताओं को धोखा दे सकते हैं। ऐसे पावर बैंकों की वास्तविक क्षमता दावे से 50-60 प्रतिशत कम है। दावा किया जाता है कि यह कम से कम दो बार मोबाइल फोन को चार्ज कर सकता है। लेकिन यह देखने में आया है कि ज्यादातर मामलों में एक बार ही मोबाइल चार्ज करने के बाद इसकी पावर खत्म हो जाती है। कंप्टीशन में आने और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारतीय कंपनियां बहुत कम कीमत पर चीनी सप्लायर्स से ये घटिया लीथियम-आयन सेल खरीद रही हैं।

इस महीने की शुरुआत में भारतीय मानक ब्यूरो ने दो चीनी आपूर्तिकर्ताओं- गुआंगडोंग क्वासुन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी और गंझोउ नोवेल बैटरी टेक्नोलॉजी कंपनी के पंजीकरण रद्द कर दिए थे। भारत में सेल आपूर्ति में इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी थी। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि एक अन्य आपूर्तिकर्ता गंझोउ ताओयुआन न्यू एनर्जी कंपनी लिमिटेड भी ब्लूम्बर्ग के रडार पर है।

तीनों कंपनियों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका।

अधिकारियों ने ओपन मार्केट से इन चीन कंपनियों के पावर बैंकों की जांच की थी। इसमें पाया गया कि अधिकांश पावर बैंक्स की क्षमता उनके दावों की तुलना में बहुत कम थी। इसके बाद ही चीनी कंपनियों पर बैन लगाया गया। एजेंसियों ने पाया कि 10,000 एमएएच बैटरी वाले पावर बैंकों की क्षमता केवल 4000-5000 एमएएच थी। लीथियम-आयन सेल इंडस्ट्री के एक कार्यकारी ने ईटी को बताया कि पावर बैंकों में इस्तेमाल होने वाले घटिया लीथियम सेल बाजार में आ रहे हैं। उपभोक्ता मोबाइल फोन और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदते समय सजग रहते हैं लेकिन पावर बैंकों के मामले में ऐसा नहीं है। एक सूत्र ने कहा कि बीआईएस के पास सुरक्षा के लिए मानक हैं, लेकिन प्रदर्शन के लिए नहीं। चीनी सप्लायर्स सेल के फिजिकल डाइमेंशंस को बनाए रखते हुए बीआईएस मानकों के आसपास काम कर रहे हैं लेकिन ऑर्डर क्वांटिटी की तुलना में कम क्षमता वाला माल भेज रहे हैं। इससे सामग्री की लागत कम हो रही है। वे अच्छे सैंपल बीआईएस को भेज रहे थे जो सभी मानकों को पूरा करते थे। उन्हें ट्रेडमार्क मिलता था लेकिन वे उसी बीआईएस ट्रेडमार्क का उपयोग करके भारत को कम क्षमता वाले घटिया सेल भेज रहे थे। इस तरह कीमत में कम से कम 25 प्रतिशत का अंतर होगा।

क्या होगा फायदा

सूत्र ने कहा कि भारत पावर बैंकों में उपयोग के लिए हर महीने चीन से 1.5-2 मिलियन यूनिट लीथियम-आयन सेल आयात करता है। भारत में अभी इसका उत्पादन शुरुआती चरण में है। एक सामान्य 10,000 सेल की कीमत लगभग 200-250 रुपये होगी जबकि चीनी सप्लायर उन्हें 150 रुपये प्रति सेल पर बेच रहे थे। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सर्च करने पर पता चला कि स्थापित ब्रांड के 10,000 एमएएच पावर बैंक की कीमत 10,000 रुपये से अधिक है जबकि इसी कैपेसिटी वाले कई ब्रांड्स की कीमत 600 रुपये से कम है। उद्योग को उम्मीद है कि सरकार की कार्रवाई से पावर बैंक की कीमतों में थोड़ी वृद्धि होगी। एक पावर बैंक कंपनी के एग्जीक्यूटिव ने कहा कि सेल, बैटरी पैक, एनक्लोजर और पीसीबी सहित पावर बैंक की निर्माण लागत इन कंपनियों द्वारा बेची जा रही कीमत से कहीं अधिक है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि अब ये कीमतें बढ़ेंगी और लगभग 1,000 रुपये पर स्थिर होंगी। सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने पावर बैंक बनाने वाली कंपनियों को चेतावनी देते हुए एक एडवाइजरी जारी की है कि वे कम गुणवत्ता वाले लीथियम-आयन सेल खरीदना बंद करें जो सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों को पूरा करने में विफल रहते हैं।

एलपीजी गैस की कीमत से क्रेडिट कार्ड के चार्ज तक

1 दिसंबर से बदल गए ये नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिसंबर का महीना शुरू हो गया है और हर महीने की तरह दिसंबर महीने में भी कई नए बदलाव हुए हैं। इनका असर आपकी जेब पर भी होगा। आपको बता दें कि 1 दिसंबर को कई नियम बदलने गए, जिससे देश भर में परिवारों के दैनिक जीवन और फाइनेंस पर असर पड़ेगा। अगले महीने दिसंबर में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन और एसबीआई क्रेडिट कार्ड नियमों में बदलाव समेत कई बड़े बदलाव हुए हैं। आइए जानते हैं डिटेल में... ऑयल मार्केटिंग कंपनी हर महीने की 1 तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को रिवाइज करती है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की वेबसाइट के अनुसार कमर्शियल सिलेंडर के दाम 16.5 रुपये बढ़ गए हैं। यह लगातार पांचवां महीना है जब कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ है। बता दें कि नवंबर की शुरुआत में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ था। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार डिटेल में मुफ्त अपडेट की समय सीमा बढ़ा दी है। आधार कार्ड होल्डर्स अब 14 दिसंबर तक ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए बिना किसी शुल्क के अपना नाम, पता या जन्मतिथि अपडेट कर सकते हैं। हालांकि, इस तारीख के बाद किए गए अपडेट के लिए प्रोसेसिंग फी लगेगा। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। बैंक 1 दिसंबर से क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव कर रहा है। एसबीआई अब डिजिटल गेमिंग प्लेटफार्म के ट्रांजेक्शन के लिए इस्तेमाल होने वाले क्रेडिट कार्ड में रिवॉर्ड पॉइंट का फायदा नहीं देगा। इसके अलावा 1 दिसंबर से एचडीएफसी बैंक अपने रेगलिया क्रेडिट कार्ड के उपयोगकर्ताओं के लिए लाउंज एक्सेस नियमों में भी बदलाव कर रहा है।

6 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। निवेशकों को इस हफ्ते 6 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इसमें 3 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे। वहीं, 3 कंपनियों के आईपीओ पहले से ही खुले थे। इसमें प्रॉपर्टी शेयर इनविट आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 28 नवंबर को खुला था। कंपनी का आईपीओ 2 दिसंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ का साइज 62.64 करोड़ रुपये का है। कंपनी 58 लाख फ्रेश शेयर जारी किया जाएगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 105 रुपये से 108 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। बता दें, कंपनी का जीएमपी 9 रुपये प्रति शेयर है।

गणेश इंफ्रावर्ल्ड आईपीओ का साइज 98.58 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू पर आधारित होगा। आईपीओ 29 दिसंबर को ओपन हुआ था। वहीं, यह आईपीओ 3 दिसंबर तक खुला रहेगा। बता दें, आईपीओ का प्राइस बैंड 78 रुपये से 83 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 846.25 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 1.92 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी करेगी। कंपनी ने 420 रुपये से 441 रुपये प्राइस बैंड तय किया है। बता दें, आईपीओ 3 दिसंबर तक खुला रहेगा।

प्रॉपर्टी शेयर आरईआईटी आईपीओ

कंपनी के आईपीओ का साइज 352.91 करोड़ रुपये है। आईपीओ 2 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 4 दिसंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने अभी तक प्राइस बैंड का ऐलान नहीं किया है।

छुपा रुस्तम निकला रेलवे का छोटकू शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार रेलवे से जुड़ी कई कंपनियों के शेयर में निवेशकों की दिलचस्पी रही है। हालांकि, इस सेक्टर में कई प्रमुख पीएसयू और प्राइवेट प्लेयर हैं, जिनमें आईआरएफसी, रेलटेल, आईआरसीटीसी, इरकॉन इंटरनेशनल और ज्यूपिटर वैगन्स शामिल हैं। इस सेक्टर में कुछ छिपे हुए स्टॉक हैं जिनसे बहुत से लोग अनजान हैं। आज हम आपको स्मॉल कैप रेलवे स्टॉक के बारे में बताएंगे जिसने पांच साल में 4700 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। यह शेयर क्रेसांडा सॉल्यूशंस का है। रेलवे से जुड़ी कंपनी क्रेसांडा सॉल्यूशंस के शेयर बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक चढ़कर 9.22 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयर पिछले पांच कारोबारी दिन में 22 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। बता दें कि पांच साल में आरवीएनएल ने 1700 प्रतिशत और आइआरएफसी के शेयर ने 500 प्रतिशत तक का ही रिटर्न दिया है। पांच साल में कंपनी के शेयर 4700 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए हैं। पांच साल में यह शेयर 19 पैसे से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है। इस दौरान

इसने एक लाख रुपये के निवेश को 48 लाख रुपये में बदल दिया है। बता दें कि कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 28.10 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 6.79 रुपये है। महीनेभर में कंपनी के 9 प्रतिशत चढ़ गए हैं। मुंबई स्थित क्रेसांडा सॉल्यूशंस एक घरेलू कंपनी है जो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), डिजिटल मीडिया और आईटी-सक्षम सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय है। क्रेसांडा सॉल्यूशंस लिमिटेड भारतीय कंपनी है। यह 1985 की कंपनी है और बीएसई पर लिस्टेड है।

रक्षा मंत्रालय से इस कंपनी को मिला बड़ा काम, अब सोमवार को शेयर में होगी हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को आइएनएस विक्रमादित्य के शॉर्ट रिफिट और ड्राई डॉकिंग (एसआरडीडी) के लिए कोचीन शिपयार्ड के साथ बड़ी डील की है। रक्षा मंत्रालय ने पांच महीने की अवधि के लिए 1,207.5 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बीच, कोचीन शिपयार्ड के शेयर शुक्रवार को सुस्त नजर आए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर 1576.95 रुपये पर बंद हुआ। अब सोमवार को शेयर में हलचल की उम्मीद की जा रही है। प्रोजेक्ट भारत के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल (एमआरओ) हब के रूप में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के विकास की दिशा में एक अहम कदम है। इस प्रोजेक्ट में लगभग 50 एमएसएमई की भागीदारी की परिकल्पना की गई है और इससे 3500 से अधिक कर्मियों के लिए रोजगार सृजन होगा। आइएनएस विक्रमादित्य एक भारतीय विमानवाहक पोत है जिसे नवंबर 2013 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

भारत में बागवानी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एडीबी के साथ 10 करोड़ डॉलर का ऋण समझौता, मिलेगा यह फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने देश में बागवानी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए 9.8 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह समझौता वित्तपोषण रोग मुक्त रोपण सामग्री प्रणालियों की स्थापना, फसल की पैदावार, गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने में सहायता करेगा। मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने आज बागवानी फसल किसानों की प्रमाणित रोग मुक्त रोपण सामग्री तक पहुंच में सुधार करने के लिए 9.8 करोड़ डॉलर के ऋण पर हस्ताक्षर किए, जिससे उनकी फसलों की पैदावार, गुणवत्ता और जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन बढ़ेगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी के भारत निवासी मिशन के प्रभारी अधिकारी काई वेई येओ ने भारत के स्वच्छ पौध कार्यक्रम का निर्माण के हिस्से के रूप में ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए मुखर्जी ने किसानों की उत्पादकता में सुधार के लिए पौधों के स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एडीबी फंडिंग से पौधों के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा जो किसानों की उत्पादकता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। येओ बताया कि यह परियोजना भारत सरकार के आत्मनिर्भर स्वच्छ पौध कार्यक्रम से जुड़ा है, और पौध स्वास्थ्य प्रबंधन में सुधार पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, यह भारत में बागवानी के लिए सीपीपी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विनियामक ढांचे और संस्थागत प्रणालियों को विकसित करने में मदद करेगा। इस परियोजना में निजी नर्सरियों, शोधकर्ताओं, राज्य सरकारों और उत्पादकों के संघों के साथ गहन परामर्श शामिल होगा ताकि इसकी सफलता और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय के अनुसार परियोजना का उद्देश्य रोग निदान के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित स्वच्छ पौध केंद्र स्थापित करना है और इसका संचालन प्रशिक्षित विशेषज्ञ करेंगे।

एस्टर और ब्लैकस्टोन समर्थित क्वालिटी केयर का होगा विलय

10,150 से ज्यादा बिस्तरों के साथ भारत में शीर्ष तीन अस्पताल श्रृंखलाओं में से एक होगा नया वेंचर

बेंगलुरु , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक एस्टर डीएम हेल्थकेयर लिमिटेड (एस्टर) और क्वालिटी केयर इंडिया लिमिटेड (क्यूसीआईएल या क्वालिटी केयर), द्वारा समर्थित उभरते शहरों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भारत की सबसे बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखलाओं में से एक, ब्लैकस्टोन और टीपीजी ने आज विलय के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। विलय को संबंधित कंपनियों के निदेशक मंडल द्वारा मंजूरी दी गई है और यह नियामक, कॉर्पोरेट और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। विलय की गई सूचीबद्ध इकाई का नाम एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड होगा।

एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड के पास चार प्रमुख ब्रांडों का एक संयुक्त पोर्टफोलियो होगा। इनमें एस्टर डीएम, केयर हॉस्पिटल्स, किम्सहेल्थ और एवरकेयर। संयुक्त इकाई के पास 27 शहरों में फैले 38 अस्पतालों और 10,150 से ज्यादा बिस्तरों का नेटवर्क होगा, जो इसे भारत की शीर्ष 3 अस्पताल श्रृंखलाओं में से एक बना देगा।

एस्टर डीएम हेल्थकेयर के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. आज़ाद मूपेन ने कहा, नई संयुक्त इकाई 'एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड रोगी-केंद्रित देखभाल, इनोवेशन और पहुंच में नए मानक स्थापित करते हुए उद्योग में सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा कंपनियों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। जीसीसी और भारत में लगभग चार दशकों के नेतृत्व के साथ एस्टर दोनों क्षेत्रों में सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा लीडर्स में से एक बना हुआ है। मूपेन परिवार, जिसने एस्टर के भारत और जीसीसी व्यवसायों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, नई विलय इकाई का भी नेतृत्व करेगा। इस प्रकार दो अग्रदूतों की शक्तियों को मिलाकर हम न केवल अपने फुटप्रिंट का विस्तार कर रहे हैं बल्कि एक परिवर्तनकारी शक्ति भी बना रहे हैं जो स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को नया आकार देने में सक्षम है। सबसे सम्मानित निजी इक्विटी फर्मों में से एक ब्लैकस्टोन और टीपीजी के समर्थन के साथ एस्टर और क्वालिटी केयर के व्यापक नेटवर्क और गहन परिचालन विशेषज्ञता का एकीकरण विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने, नवाचार को बढ़ावा देने और रोगी परिणामों में सुधार करने की हमारी क्षमता को बढ़ाएगा। विलय से हमारे चिकित्सा पेशेवरों को उच्च और विविध रोगी प्रवाह को पूरा करने का अवसर भी मिलेगा।

ब्लैकस्टोन प्राइवेट इक्विटी के एशिया प्रमुख श्री अमित दीक्षित ने कहा, हम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भारत के अग्रणी प्लेटफार्मों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्यवसायों का निर्माता बनना हमारे डीएनए में है, अपने पैमाने, परिचालन विशेषज्ञता और वैश्विक जीवन विज्ञान अंतर्दृष्टि का उपयोग करके, हम प्लेटफ़ॉर्म को विकसित करने, इसके फुटप्रिंट का विस्तार करने और इसे एक विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में विकसित करने में मदद करेंगे। हम मूपेन परिवार के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं जो हमारे मूल्यों और मजबूत गवर्नेंस मानकों को साझा करता है। हमारा मानना है कि वरुण खन्ना एक शानदार लीडर हैं और संयुक्त इकाई बनाने में मदद कर सकते हैं। एस्टर डीएम हेल्थकेयर की उप प्रबंध निदेशक सुश्री अलीशा मूपेन ने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में गोल्डन स्टैंडर्ड स्थापित करना हमेशा एस्टर में हमारा मार्गदर्शक आदर्श रहा है। भारत में पिछले 10 वर्षों में एस्टर की त्वरित वृद्धि हमारे गहन नैदानिक नेतृत्व और समय से पहले बाजार की मांग का जवाब देने और उसे पूरा करने की हमारी क्षमता को दर्शाती है। . नैदानिक परिणामों के लिए मानक स्थापित करते हुए सेवा उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का संयोजन हमारी पहचान रही है, जो हमें अपने साथियों से अलग करती है। ब्लैकस्टोन और टीपीजी द्वारा समर्थित क्वालिटी केयर के साथ इस विलय के माध्यम से, हम एक शक्तिशाली ताकत बना रहे हैं जो इस रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल मानकों को ऊपर उठाएगी। ब्लैकस्टोन प्राइवेट इक्विटी के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक श्री गणेश मणि ने कहा, वैश्विक स्तर पर ब्लैकस्टोन के लिए जीवन विज्ञान एक प्रमुख निवेश विषय है। हमने भारत में एक अद्वितीय हेल्थकेयर प्राइवेट इक्विटी प्रैक्टिस का निर्माण किया है जिसमें क्वालिटी केयर में एक परिवर्तनकारी खरीद और निर्माण अस्पताल श्रृंखला प्लेटफॉर्म शामिल है।

एसीसीए विश्वभर में लेखा पेशे को आकार देने के अपने प्रयास के 120 साल पूरे होने पर मना रहा है जश्न

मुंबई , एजेंसी। एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स, एसीसीए इस सप्ताहांत अपनी स्थापना के 120 वर्ष पूरे होने का यह जश्न मनाएगा। एसीसीए की स्थापना 30 नवंबर 1904 को आठ अकाउंटेंट (लेखाकार) के एक समूह ने की थी और इसके बाद से यह 180 देशों में फैल चुका है और इसके वैश्विक नेटवर्क में 252,500 से अधिक सदस्य और 526,000 भावी सदस्य शामिल हैं।

एसीसीए के निदेशक-भारत, मोहम्मद साजिद खान ने कहा, हमारे पास भारत और दुनिया भर में प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध सदस्यों का एक अद्भुत समुदाय है, जो सफल करियर बना रहे हैं और अनगिनत व्यवसायों, संगठनों तथा समुदायों पर सकारात्मक और वहनीय असर डाल रहे हैं, जिससे हमारे देश और वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ हो रहा है। एसीसीए की अध्यक्ष, आयला मजीद ने कहा, एसीसीए समावेश के अपने मूल मूल्य पर खरे उतरकर, वास्तव में एक वैश्विक संगठन बन गया है और जनता की भलाई के लिए काम कर रहा है। जब 1904 में एसीसीए की स्थापना हुई थी, तो कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि हम कितना कुछ हासिल करेंगे। हमारी कहानी नवोन्मेष और विकास की है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि यह कई लोगों के करियर की शुरुआत, जीवन में बदलाव और कई सपनों के सच होने की कहानी है। हाल ही में आयोजित एजीएम में आयला मजीद को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया, जबकि मेलेनी प्रोफिट को उपाध्यक्ष और दातुक जेटन मोहम्मद हसन को उपाध्यक्ष चुना गया और इस तरह एसीसीए के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि महिलाओं ने एक ही समय में तीनों शीर्ष अधिकारी के पदों पर कब्जा किया है। यह पेशेवर लेखा निकाय के लिए एक और उपलब्धि है, जो 1909 में महिलाओं को सदस्यता प्रदान करने वाला पहला निकाय था।

बेथेल की डेब्यू मैच में फिफ्टी और कार्से के 6 विकेट

● इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। जैकब बेथेल के डेब्यू मैच में नाबाद अर्धशतक और उसके बाद ब्रायडन कार्से (6-42) की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन 8 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत ने उन्हें तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उनके स्टैंडिंग पॉइंट प्रतिशत को 43.75 के साथ सुधारा है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने अपने पॉइंट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक गिरा दिया और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भारी झटका लगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन हैगले ओवल में 155/6 से आगे खेलने के बाद न्यूजीलैंड ने अपने ओवरनाइट स्कोर में 99 रन जोड़े, क्योंकि कार्से ने सुबह के सत्र में मेजबान की सकारात्मक शुरुआत को बाधित करते हुए रविवार को अपनी दूसरी पारी में 254 रन पर समेट दिया। कार्से ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/42 के आंकड़े की मदद से शेष चार विकेटों में से तीन को चटकाया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए केवल 104 रनों का पीछा करना पड़ा।

यह कार्य 8.21 की प्रभावशाली स्कोरिंग दर से आसानी से पूरा हुआ, क्योंकि जैकब बेथेल ने अपने डेब्यू पर शानदार नाबाद अर्धशतक लगाया जिसे केवल 37 गेंदों में हासिल किया गया, जिससे इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जबकि कार्से अपने 10/106 के गेंदबाजी आंकड़े के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जो 16 वर्षों में विदेश में 10 विकेट लेने वाले पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैं।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर न्यूजीलैंड ने वापसी कर रहे केन विलियमसन के शानदार 93 रनों की बदौलत पहली पारी में 348 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 71/4 पर संघर्ष कर रहा था इससे पहले हैरी ब्रूक के 171 रनों की मदद से मेहमान टीम ने 151 रनों की शानदार बढ़त हासिल की जो उनकी जीत की वजह बना।

मार्को यानसेन के 11 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 233 रन से हराया

डरबन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मार्को यानसन के 11 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को पांचवें दिन किंग्समीड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 233 रनों से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। श्रीलंका ने जीत के लिए 516 रनों के लगभग असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 282 रन बनाए। टीम के लिए दिनेश चांदीमल ने सबसे ज्यादा 83 रन बनाए।

श्रीलंका की टीम ने दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 103 रन से आगे से की और चांदीमल ने 174 गेंद की पारी में 12 चौके लगाने के साथ छठे विकेट के लिए कप्तान धनंजय डिसिल्वा (59) के साथ 95 और सातवें विकेट के लिए कुसल मेंडिस (48) के साथ 75 रन की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका के जीत के इंतजार को लंबा किया। वह गेराल्ड गोएत्जी की गेंद पर उन्हीं को कैच देकर आउट हुए जिससे श्रीलंका ने आखिरी 4 विकेट 11 रन के अंदर गंवा दिए।

भारत-आस्ट्रेलिया

दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में होंगे 3 बदलाव

सुनील गावस्कर ने बताया पडिक्कल और जुरेल की हो सकती है छुट्टी

● 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा दूसरा टेस्ट मैच ● भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मैच एडिलेड ओवल में होगा। परिवारिक कारणों से रोहित शर्मा ने पहला टेस्ट नहीं खेला था। ऐसे में दूसरे टेस्ट में वापसी के लिए तैयार हैं। रोहित पर्थ टेस्ट के दौरान ही भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। रोहित की वापसी के बाद दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव तय है। इतना ही नहीं शुभमन गिल भी चोट से उबर रहे हैं और वापी कर सकते हैं। इस बीच दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने बताया कि तीसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 क्या होगी।

भारत की प्लेइंग 11 में हो सकते 3 बदलाव

गावस्कर ने कहा है कि पिंक बॉल टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में 3 बदलाव हो सकते हैं। 7क्रिकेट पर बातचीत के दौरान गावस्कर ने कहा

कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल निश्चित रूप से देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह प्लेइंग इलेवन में वापस आएंगे।

उन्होंने सुझाव दिया कि मैनेजमेंट बैटिंग ऑर्डर में बदलाव कर सकता है। रोहित की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने ओपनिंग की थी। दूसरे टेस्ट में राहुल मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही रोहित शर्मा यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से दो बदलाव होंगे, रोहित शर्मा और शुभमन गिल दोनों की प्लेइंग 11 में वापसी हो रही है। मुझे लगता है कि बल्लेबाजी क्रम बदल जाएगा। जहां रोहित शर्मा राहुल की जगह लेंगे, वहीं शुभमन गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की प्लेइंग 11 से छुट्टी होगी। वहीं राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

जडेजा को मिल सकता मौका

गावस्कर ने सुझाव दिया कि भारतीय मैनेजमेंट वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दे सकता है। उन्होंने कहा, और एक और बदलाव जो हो सकता है वह यह है कि वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका मिल सकता है।

गावस्कर के अनुसार भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रूट ने चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ा

कार्से ने झटके कुल 10 विकेट

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। रूट ने टेस्ट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। अपना 150वां टेस्ट खेलने वाले रूट ने अपनी टीम की जीत में योगदान दिया और वह 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

सबसे आगे निकले रूट - रूट भले ही बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन वह चौथी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सभी से आगे निकल गए हैं। रूट के अब टेस्ट की चौथी पारी में 1630 रन हो गए हैं, जबकि सचिन ने अपने करियर में इस दौरान 1625 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टियर कुक हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ हैं। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने चौथी पारी में कुल एक समान 1611 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल ने 1580 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीता मैच - मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इस तरह इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्से की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी 254 रन पर ऑलआउट की। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 104 रनों का लक्ष्य रखा जिसे इंग्लैंड ने 12.4 ओवर में दो खोकर हासिल कर लिया।

डे-नाइट टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड

75 प्रतिशत मैच जीते, एडिलेड में ही मिली है एकमात्र हार

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से खेला जाएगा। यह गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट होगा। पर्थ में 295 रन से जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से लबरेज है। वहीं, दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में हार से परेशान है। हालांकि, डे-नाइट टेस्ट अलग बात होगी। ऐसे मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम कड़ी टक्कर देती है और उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है।

रोहित और शुभमन गिल फिट हुए

भारत के लिए अच्छी बात यह है कि नियमित कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हो चुकी है। इसके अलावा शुभमन गिल भी फिट होने की कगार पर हैं। इन दोनों की वापसी से भारतीय बल्लेबाजी मजबूत हो जाएगी। हालांकि, टीम मैनेजमेंट के सामने प्लेइंग-11 को लेकर परेशान होगा। रोहित और गिल को विनिंग कॉम्बिनेशन में फिट करना चिंता का विषय है। देवदत्त पडिक्कल का बेंच पर बैठना तय माना जा रहा है। इसके अलावा ध्रुव जुरेल भी बेंच पर बैठे दिख सकते हैं। सबसे बड़ी परेशानी यह होगी कि केएल राहुल को ओपनिंग भेजा जाएगा या उन्हें फिर से नंबर पांच पर भेजा जाएगा। आइए उससे पहले हम डे-नाइट टेस्ट या पिंक बॉल टेस्ट में भारत के आंकड़े देखते हैं...

भारत ने अब तक चार डे नाइट टेस्ट खेले

भारत ने अब तक चार डे-नाइट टेस्ट खेले हैं। इसमें से तीन में उन्हें जीत मिली है,

जबकि एक में हार का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया ने डे-नाइट टेस्ट में 75 फीसद मैच जीते हैं। जिस एकमात्र टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली थी, वह चार साल पहले एडिलेड में ही खेला गया था। यह 2020/21 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का पहला टेस्ट था। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को इसमें आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

2020 में एडिलेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में क्या हुआ था

एडिलेड में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 244 रन बनाए थे। चेतेश्वर पुजारा ने 43 रन और अजिंक्य रहाणे ने 42 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 191 रन पर ही सिमट गई थी। मार्नस लाबुशेन 47 रन और कप्तान टिम पेन ने 73 रन बनाए थे। भारतीय टीम दूसरी पारी में तहस नहस हो गई थी और सिर्फ 36 रन पर सिमट गई थी। यह भारत का टेस्ट में सबसे कम स्कोर भी है। पृथ्वी शॉ चार रन, मयंक अग्रवाल नौ रन, जसप्रीत बुमराह दो रन, विराट कोहली चार रन, हनुमा विहारी आठ रन और ऋद्धिमान साहा चार रन बनाकर आउट हुए थे। वहीं, पुजारा, रहाणे और अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे।

विराट डे नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय

भारत के लिए डे-नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन विराट ने ही बनाए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 46.16 की औसत से 277 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित शर्मा तीन मैचों में 43.25 की औसत से 173 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। लिस्ट में तीसरे स्थान पर श्रेयस अय्यर हैं। उन्होंने एक डे नाइट टेस्ट में 79.50 की औसत से 155 रन बनाए हैं। वहीं, गेंदबाजों की बात करें तो डे नाइट टेस्ट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट रविचंद्रन अश्विन ने लिए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 18 विकेट झटके हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने दो पिंक बॉल टेस्ट में 14 विकेट झटके हैं। उमेश यादव ने ऐसे दो मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	कुल रन	औसत
विराट कोहली	4	277	46.16
रोहित शर्मा	3	173	43.25
श्रेयस अय्यर	1	155	79.50

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

खिलाड़ी	मैच	कुल विकेट	औसत
रविचंद्रन अश्विन	4	18	13.83
अक्षर पटेल	2	14	9.14
उमेश यादव	2	11	15.54

● डे नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के आंकड़े - ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता की बात यह है कि 2020 में कहर बरपाने वाले हेजलवुड दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वह चोटिल हैं। ऑस्ट्रेलिया का डे नाइट टेस्ट में असाधारण रिकॉर्ड है। उन्होंने अब तक 12 डे-नाइट टेस्ट खेले हैं, जिनमें से 11 में जीत हासिल की है, जबकि सिर्फ एक में हार का सामना करना पड़ा है।

भारत ने पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में खेला था

भारत ने अपना पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था और 46 रन से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेला गया था। इसके बाद 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के बाद टीम इंडिया ने फरवरी 2021 में इंग्लैंड को अहमदाबाद में डे-नाइट टेस्ट में 10 विकेट से और फिर बेंगलुरु में मार्च 2022 में श्रीलंका को 238 रन से शिकस्त दी थी। डे-नाइट टेस्ट में भारत का उच्चतम स्कोर 347/9 का है। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने इतने रन बनाए थे। वहीं, न्यूनतम स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 36 रन का है। टीम इंडिया 2020 में मिली हार को भुलाकर एक नई शुरुआत करना चाहेगी और पर्थ की तरह एडिलेड भी फतह करना चाहेगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

हैदराबाद(एजेंसी)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन दिसंबर को आंध्र के खिलाफ मुंबई के अगले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के शेष मैचों और उसके बाद 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 3-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और अगले मैच में भी खेलने की उम्मीद है। ग्रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। मौजूदा एसएमएटी में दक्षिण अफ्रीका के टी-20 दौरे के बाद हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी खेल रहे है।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी)। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला

काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार रैलियों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियू यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिसारा पाएवसम्प्रान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई।

आईपीएल 2025

153 करोड़ में बिके 'स्टार' प्लेयर्स प्रदर्शन से चूके, 'सस्ते' खिलाड़ियों ने किया कमाल

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ की बोली के साथ ऋषभ पंत इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं जबकि श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर को क्रमशः 26.75 करोड़ और 23.75 करोड़ में बिके। लेकिन आगामी सीजन में ये खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं इस पर नजरें रहेंगे। इसका बड़ा कारण पिछले 3 सीजन में टॉप 3 सबसे महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले इन 9 प्लेयर्स की तुलना में पिछले तीन सीजन के 9 सबसे सस्ते सफल खिलाड़ियों की कुल कीमत महज 3.35 करोड़ रुपए रही। आइए आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

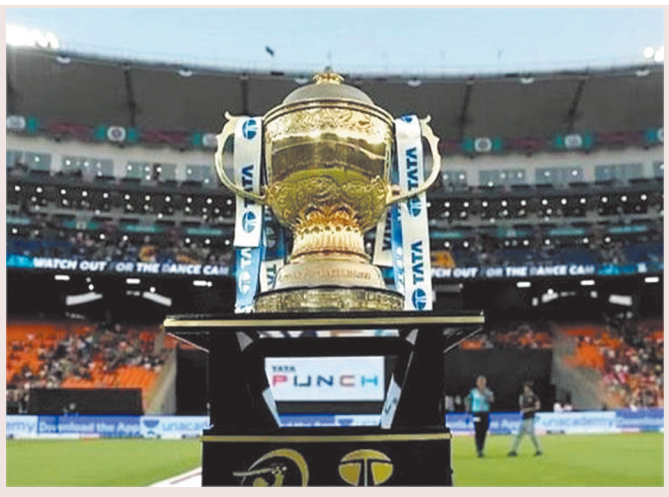

- **मिचेल स्टार्क** - 24.75 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट
- **पैट कमिंस** -20.5 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद - 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया।
- **डैरिल मिचेल** - 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट
- **शशांक सिंह** - 20 लाख, पंजाब किंग्स - 44.25 के औसत के साथ 354 रन।
- **स्ट्ब्स** - 50 लाख, दिल्ली कैपिटल्स - 13 पारी में 191 के रेट से 378 रन ठोके
- **रमनदीप** - 20 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - ने फिनिशर की भूमिका निभाई।

(2023)

- **सैम करेन** - 18.5 करोड़, पंजाब किंग्स - 14 पारी में 49 के औसत से रन लुटाकर मात्र 10 विकेट
- **कैमरून ग्रीन** -17.5 करोड़, मुंबई इंडियंस - मात्र 6 ही विकेट लिए।
- **बेन स्टोक्स** - 16.25 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते अधिकतर सीजन नहीं खेले और 15 रन ही बनाए।
- **मोहित** - 50 लाख, गुजरात - 8.17 के इकोनॉमी रेट से 27 विकेट लिए। दूसरे श्रेष्ठ गेंदबाज।
- **स्पिनर पीयूष**-50 लाख, मुंबई - 22 विकेट, चौथे सफल गेंदबाज।
- **अजिंक्य रहाणे** - 50 लाख, चेन्नई - 11 इनिंग्स में 326 रन बनाए।

(2022)

- **इशान किशन** - 15.25 करोड़, मुंबई इंडियंस - 14 पारी में 32 के औसत से 418 रन।
- ● 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते एक भी मैच नहीं खेले।
- **श्रेयस अय्यर** - 12.25 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स, 14 मैच में 134 के स्ट्राइक रेट से 401 रन। 3 अर्धशतक भी।
- **मोहसिन खान** - 20 लाख, लखनऊ सुपर जाइंट्स - 9 पारियों में 14 विकेट, मात्र 14 का औसत।
- **मुकेश चौधरी** - 20 लाख, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 पारी में 16 विकेट।
- **रिंकू सिंह** - 55 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - 7 मैच में 174 रन, 35 का औसत।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी। रूस ने शनिवार सुबह देश के सुदूर पूर्व की वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से सोयुज-2.1ए रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। रॉकेट ने कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत रडार प्रौद्योगिकी से लैस, कोंडोर-एफकेए उपग्रहों ने ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए देश को सक्षम बना दिया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने एक बयान में घोषणा की, दूसरा रडार सैटेलाइट, कोंडोर-एफकेए, ऑर्बिट तक पहुंच गया है! लॉन्च सिस्टम ने योजना के अनुसार काम किया। ऑप्टिकल उपग्रहों के विपरीत, कोंडोर-एफकेए श्रृंखला बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकती है और अंधेरे में काम कर सकती है। अपनी इस खूबी की वजह से ये सेटेलाइट विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए बहुत सक्षम हैं। इन कार्यों में मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को बर्फ से ढंके मार्गों पर गाइड करना शामिल है, जैसे कि उत्तरी ध्रुवीय रातों के दौरान समुद्री मार्ग में। एनपीओ माशिनोस्ट्रॉयोनिया डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित कोंडोर श्रृंखला के इन सेटेलाइटों ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार प्रगति की है। पहले दो उपग्रहों को 2013 और 2014 में लॉन्च किया गया था, जबकि कोंडोर-एफकेए नंबर 1 ने 2023 में कक्षा में प्रवेश किया था। वर्तमान में दो और उपग्रह निर्माणाधीन हैं, जिसमें तीसरा कोंडोर-एफकेए 2026 में लॉन्च किया जाएगा। प्रत्येक कोंडोर-एफकेए उपग्रह का वजन लगभग 1,050 किलोग्राम होता है और इसकी लाइफ पांच साल की होती है।

सूडान के गांवों पर अर्धसैनिक बलों के हमले में 12 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के गेजिरा राज्य के गांवों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने कहा कि आरएसएफ ने गुरुवार को पश्चिमी गेजिरा के अल-महेरिबा क्षेत्र में आठ गांवों को निशाना बनाया। इस दौरान वहां के निवासियों पर भारी गोलीबारी और हमले किए। समूह ने एक बयान में कहा, हमलों और गोलाबारी में अब तक मरने वालों की संख्या 12 हो गई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरएसएफ ने आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 24 नवंबर को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बताया था कि पश्चिमी सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 15 नागरिक मारे गए थे। जबकि, 20 अन्य घायल हो गए थे। डिवीजन ने एक बयान में कहा था कि आरएसएफ मिलिशिया ने उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर के नैवाशा बाजार पर 23 नवंबर की शाम को तीन होवित्जर तोपों से हमला किया गया। डिवीजन ने आरएसएफ पर बाजारों और सभा स्थलों पर गोलीबारी करके नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। समाचार एजेंसी शि?न्हुआ के अनुसार, 10 मई से अल फशेर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़पें चल रही हैं। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट के ताजा अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 27,120 से अधिक लोगों की मौत को चुकी है। वहीं, 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की नीतियों के विरोध में लाखों कर्मचारियों ने की हड़ताल

रोम, एजेंसी। इटली में लाखों श्रमिकों ने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के 2025 के बजट, महंगाई और कम मजदूरी के विरोध में आठ घंटे की हड़ताल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इटली के दो मुख्य ट्रेड यूनियनों, इटालियन जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (सीजीआईएल) और इटालियन लेबर यूनियन (यूआईएल) की तरफ से इस हड़ताल का आयोजन किया गया था। इस हड़ताल में कई क्षेत्रों के कर्मचारी शामिल थे। हालांकि इसमें ट्रेन कर्मचारी शामिल नहीं थे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में एक अलग विरोध प्रदर्शन किया था। परिवहन मंत्रालय के आदेश के के चलते स्थानीय परिवहन, नौका और वायुमार्ग क्षेत्र के कर्मचारियों ने आठ घंटों के बजाय को चार घंटे तक काम रोका। इसके बावजूद, हड़ताल में महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। आयोजकों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी कार्रवाई में शामिल हुए। इटली की प्रमुख एयरलाइन, आईटीए को 18 अंतरराष्ट्रीय रूट समेत 109 उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीजीआईएल के अनुसार, रोम, मिलान, ट्यूरिन, बोलोग्ना और नेपल्स सहित कम से कम 43 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां हुईं, जिनमें अनुमानित 5,00,000 लोग शामिल हुए।बजट का उद्देश्य इटली के उच्च सार्वजनिक ऋण संबंधी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे एफबीआई डायरेक्टर

पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके ; गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

काश पटेल को बताया अमेरिका फर्स्ट फाइटर : ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल स्न्नक्च्ह्न के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टीगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भष्ट्राचार को उजागर करते, न्याय और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है।

गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे : काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है। ट्रम्प प्रशासन में जहां पहले से लगभग सभी लोग ट्रम्प के वफादार थे, वहां भी उन्हें ट्रम्प के सबसे वफादार लोगों में गिना जाने लगा था।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर

लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है? निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है। हालांकि, अदालत ने वैश्विक संगठन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की गूंज सीमा पार भी हुई है, कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के बाहर धार्मिक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन देखा गया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि हिंदुओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेशी सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं 2 दिसंबर को बाधित रहेंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बाधित रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत के कारण होगी। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार, 2 दिसंबर को सुबह 3ऱ00 बजे से लेकर 5ऱ59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं, बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने दी। राधारमण दास के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब, गाजा युद्ध की वजह से लिया फैसला

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉरपोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है : वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्साइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगा। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे

डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को स्र सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी : रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा। यह समझौता एग्रीमेंट हाई टेक्नोलॉजी, खास तौर पर ड्रोन इंडस्ट्री में सऊदी निवेश को बढ़ावा देगा। हालांकि, इस डील में अमेरिका पर सऊदी को किसी भी हमले से बचाने की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस एग्रीमेंट को लेकर सबसे बड़ी चिंता डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस वापस लौटने की है। ट्रम्प कभी भी अलग फिलिस्तीन देश बनाने के समर्थक नहीं रहे हैं। हालांकि, अरब अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प और उनके दामाद जेरेड कुशनेर के मोहम्मद बिन सलमान से काफी अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे में वो उन्हें इसके लिए राजी कर लेंगे।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे।

नाटो यूक्रेनी इलाकों के सिक्योरिटी की गारंटी ले : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना

होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं।

ट्रम्प एक दिन में वॉर रुकवाने का दावा कर चुके हैं : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 18त्न हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध शुरू होने से पहले जेलेंस्की लगातार पूरे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्?ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आतंकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है।

कनाडा में गिरफ्तारी, फिर जमानत : भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं।

गोलीबारी और गिरफ्तारी की कहानी : 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वह अपने साथी गुरजंत सिंह के साथ कार में जा रहा था, तभी कार में रखी बंदूक से एक्सिडेंटली गोली चल गई। गोली डल्ला के दाहिने हाथ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डल्ला ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी से पहले एक झूठी कहानी सुनाई थी, जिसमें उसने खुद पर हमले का दावा किया था।

भारत के लिए खतरा : अर्श डल्ला का पूरा नाम अर्शदीप डल्ला है और वह पंजाब के मोगा जिले का निवासी है। भारत में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह कनाडा में बैठकर भारतीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल करता है और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिलवाता है। भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तत्पर हैं।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। द्रोहियों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का

सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था, जिसमें उनकी सेनाओं को रूस, ईरान और उसके सहयोगी समूहों का समर्थन प्राप्त था। अलेप्पो पर तब से विद्रोहियों ने हमला नहीं किया है। 2016 में अलेप्पो के लिए हुई लड़ाई सीरियाई सरकारी बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जब 2011 में असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गया था। विद्रोही गुट के एक लड़ाका अली जुमा ने कहा, मैं अलेप्पो का बेटा हूं। आठ साल पहले हमें यहां से निकाल दिया गया था। अब हम फिर लौट आए हैं और बहुत अच्छा लग रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत बनाम हिमंता : सोरेन के एलान के बाद, असम सीएम बोले- हम भी दो-तीन चीजों के अध्ययन के लिए टीमें झारखंड भेजेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है। झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि वह भी असम की दो टीमें झारखंड में दो-तीन चीजों का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का एलान किया है।

शामली में पैसे के विवाद में महिला की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

शामली, एजेंसी। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) संजय चौहान ने शनिवार को बताया कि न्यायाधीश ऋतु नागर की अदालत ने दोषी लाल सिंह पर अनीता नामक महिला की हत्या के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। शामली के कैराना की एक त्वरित अदालत ने उधार के पैसे मांगने पर एक महिला की चाकू घोंपकर हत्या के करीब चार साल पुराने मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) संजय चौहान ने शनिवार को बताया कि न्यायाधीश ऋतु नागर की अदालत ने दोषी लाल सिंह पर अनीता नामक महिला की हत्या के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। चौहान के अनुसार, यह घटना 11 सितंबर 2020 को शामली जिले के गहरी पुखरा थाना क्षेत्र के भेंसवाक गांव में हुई थी। उन्होंने कहा कि घटना वाली रात को अनीता अपने घर में अकेली सो रही थी, तभी लाल सिंह ने उस पर हमला किया और चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। जांच में पता चला कि अनीता ने लाल सिंह को पैसे उधार दिए थे और पैसे वापस न मिलने पर हुए विवाद के कारण उसने हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गयी।

दिल्ली के आप विधायक नरेश यादव को 2016 के बेअदबी मामले में दो साल कारावास की सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। अदालत ने दो अन्य लोगों (विजय कुमार और गौरव कुमार) की दो साल की सजा को बरकरार रखा। एक अन्य आरोपी नंद किशोर को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी कर दिया गया। पंजाब में मालेरकोटला जिले की एक अदालत ने शनिवार को वर्ष 2016 के कुरान की बेअदबी से जुड़े मामले में दिल्ली के महरौली से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक नरेश यादव को दो साल की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश परमिंदर सिंह ग्रेवाल की अदालत ने शुक्रवार को इस मामले में यादव को दोषी ठहराया और शनिवार को फैसला सुनाया। सजा सुनाए जाने के समय अदालत में उपस्थित यादव पर 11,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने दो अन्य लोगों (विजय कुमार और गौरव कुमार) की दो साल की सजा को बरकरार रखा। एक अन्य आरोपी नंद किशोर को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी कर दिया गया। यादव को भारतीय दंड संहिता की धारा 295ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक आस्था का अपमान करके उनकी धार्मिक भावनाओं को अपमानित करने के इरादे से जानबूझकर किया गया दुर्भावनापूर्ण कार्य), 153ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराया गया। यादव को मार्च 2021 में अधीनस्थ अदालत ने बेअदबी मामले में बरी कर दिया था। इसके बाद शिकायतकर्ता मोहम्मद अशरफ ने उनको बरी करने के खिलाफ अपील दायर की थी। पुलिस ने शुरुआत में विजय, गौरव और किशोर पर मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में इस मामले में आप विधायक यादव को गिरफ्तार किया गया था।

ओडिशा सरकार ने मध्याह्न भोजन के लिए आवंटित की जाने वाली राशि बढ़ाई

भुवनेश्वर, एजेंसी। 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। ओडिशा सरकार ने स्कूली छात्रों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराने के लिए आवंटित की जाने वाली राशि को बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। 'पीएम-पोषण' के लिए राज्य के नोडल अधिकारी रघुराम आर अय्यर ने शनिवार को जिलाधिकारियों को सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (पहली से पांचवीं कक्षा) के लिए सामग्री की लागत 5.90 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 7.64 रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत 8.82 रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर 10.94 रुपये कर दी गई है। अय्यर ने कहा कि संशोधित लागत एक दिसंबर से लागू होगी।

पवित्र बोधि वृक्ष की वैज्ञानिकों ने की जांच, कहा- पूरी तरह से है सुरक्षित

गया , एजेंसी। बिहार के बोधगया स्थित अंतर्राष्ट्रीय धरोहर महाबोधि मंदिर में स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच एफआरआई के वैज्ञानिकों ने की. एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों ने जांच के बाद पाया कि बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है और पूरी तरह से सुरक्षित है. वहीं, बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को एफआरआई के वैज्ञानिकों को द्वारा हटा दिया गया.

बोधि वृक्ष की जांच करने देहरादून से आए वैज्ञानिक : वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने महाबोधि मंदिर स्थित पवित्र बोधि वृक्ष की जांच की. भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति वाले इस बोधि वृक्ष की हर साल नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य की जांच की जाती है. एक साल में तीन-तीन महीने के अंतराल में चार बार बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच होती है. इस क्रम में एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों की टीम शनिवार को बोधगया पहुंची और बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की जांच हुई.

पूरी तरह से सुरक्षित है बोधि वृक्ष : एफआरआई देहरादून के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ संतन बर्थवाल, डॉक्टर शैलेश पांडे की टीम के द्वारा बोधि वृक्ष की जांच के बाद पाया गया कि यह उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. बोधि वृक्ष पूरी तरह से सुरक्षित है. एफआरआई देहरादून के वैज्ञानिकों ने बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य का आंकलन और रखरखाव के लिए कुछ आवश्यक प्रक्रिया को अपनाया. इस क्रम में बोधि वृक्ष की कुछ छोटी मृत शाखों को हटा दिया गया. पवित्र बोधि वृक्ष उत्कृष्ट स्वास्थ्य में है. नियमित रखरखाव के हिस्से के रूप में कुछ छोटी मृत शाखाओं को हटा दिया गया. पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं है. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई है, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संकेत देता है.- डॉक्टर संतन बर्थवाल, वैज्ञानिक, एफआरआई, देहरादून पत्तियों में संक्रमण के कोई संकेत नहीं वैज्ञानिकों को बोधि वृक्ष की पत्तियों में संक्रमण का कोई संकेत नहीं मिला. पेड़ की समग्र स्थिति किसी भी समस्या से मुक्त पाई गई. यह भी देखा गया कि पेड़ पर बड़ी संख्या में फल लग रहे हैं, जो इसकी मजबूत जीवन शक्ति का संदेश देता है. इस मौके पर बीटीएमसी सचिव डॉक्टर महाश्वेता महारथी, सदस्य अरविंद कुमार सिंह, मुख्य भिक्षु वेन के अलावे भिक्षु चालिंदा, भिक्षु दीनानंद आदि मौजूद थे.

देहरादून के वैज्ञानिकों ने बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य का आंकलन और रखरखाव के लिए कुछ आवश्यक प्रक्रिया को अपनाया.

आंध्र प्रदेश: सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा- राज्य का विकास कर गरीबों को लाभ पहुंचाएंगे

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का प्राथमिक लक्ष्य धन सृजन और गरीबों को लाभ पहुंचाकर राज्य का विकास करना है. मुख्यमंत्री नायडू ने बोम्मनहल्ली मंडल के नेमाकल्लू गांव में इंदिराम्मा कॉलोनी में विधवा पेंशनभोगियों के घर जाकर उन्हें पेंशन के रूप में नकद राशि सौंपी. बाद में मुख्यमंत्री नायडू ने कॉलोनी के लोगों से बातचीत करने के बाद स्थानीय मंदिर में भगवान अंजनेय के दर्शन किए. स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने रायलसीमा को बागवानी केंद्र में बदलने का वादा किया और कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य योजना तैयार करने के बाद रायदुर्गम नगरपालिका के लिए विशेष धनराशि आवंटित की जाएगी. नायडू ने कहा कि मोबाइल फोन के जरिए लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं को प्रौद्योगिकी से जोड़ा जाएगा. पिछले पांच सालों के शासन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इससे राज्य को भारी नुकसान हुआ. मुख्यमंत्री नायडू ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने का वादा किया।

कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है - प्रेम शुक्ला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता भाई जगताप द्वारा की गई विवादित टिप्पणी पर भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के लोग लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देने के काम करते रहे हैं। अब कांग्रेस का स्तर इतना गिर गया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। प्रेम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस बार-बार चुनाव हार रही है, इसलिए भाई जगताप इस तरह के बयान दे रहे हैं। वह आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं जो चुनाव आयोग को कुत्ता जैसे शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। कांग्रेस इस पर चुप्पी साधती हुई दिख रही है और यह इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस गाली के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाती है। भाई जपताप ने कहा है कि उन्होंने जो कहा उस पर वह अडिग हैं। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से आप अच्छी भाषा की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। यह्य लोग भाईगीरी के लिए जाने जाते हैं। भारत की टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। भाई जगताप ने कहा है कि खेल को खेल भावना से देखना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि यही कांग्रेसी कहते हैं पाकिस्तान के साथ रिश्ता नहीं रखना चाहिए। भारत में जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का निर्यात करेगा, हम राजनीति का संबंध नहीं रख रहे हैं। बीसीसीआई के फैसले का स्वागत होना चाहिए। भाई जगताप के कहने से कुछ नहीं होता है। शरद पवार ने कहा है कि महाराष्ट्र में सत्ता और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि कांग्रेस तो उन्हें बैग और धन के लिए जानते हैं। वह इस तरह की बात कर रहे हैं, इससे ज्यादा हास्यपद बात नहीं हो सकती है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि शिवसेना को महाविकास अघाड़ी से अलग होना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि उन्हें जो बुद्धि इस वक्त आई है। शायद यह बुद्धि उद्धव ठाकरे को भी आए तो वह औरंगजेब की आराधना बंद कर छत्रपति शिवाजी महाराज के आराधक बन जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को पानीपत आएंगे, बीमा सखी योजना शुरू करेंगे: नायब सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पानीपत की ऐतिहासिक भूमि से भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रायोजित बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को करनाल के कर्ण कमल में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यक्रम में न केवल बड़ी संख्या में महिलाओं को आमंत्रित जायेगा बल्कि प्रधानमंत्री का भी जोरदार स्वागत किया जायेगा। सरकार लोगों की अपेक्षाओं को तीव्र गति से पूरा करेगी। आज बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार निकाय चुनावों के लिये पूरी तरह से तैयार है। जल्दी ही स्थानीय निकाय के चुनाव कराये जायेंगे। इस समय पार्टी की सदस्यता अभियान जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री संबंधी प्रश्न पर कहाकि यह कांग्रेस का अंदरूनी मामला है कि वह किसे विधायक दल का नेता चुनती है। जो भी विधायक दल का नेता चुना जाएगा उसे निवास उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। सरकार का प्रयास रहेगा कि 2 करोड़ 80 लाख लोगों की अपेक्षाओं को तीव्र गति से पूरा किया जाए।

रेलवे ने शुरू की हर ट्रिप के बाद कंबलों की यूवी सेनेटाइजेशन प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए व्यापक कोशिश कर रही है। यात्रियों को नई आरामदायक लेनिन की ज्यादा चौड़ी-लंबी चादर, अच्छी गुणवत्ता के साफ-सुथरे कंबल और खाने से लेकर तमाम चीजें इनमें शामिल हैं। अब रेलवे ने हर ट्रिप के बाद यूवी सेनेटाइजेशन प्रक्रिया शुरू की है।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंचार अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने आईएएनएस को बताया, रेलवे में उपयोग होने वाले लेनिन की सफाई हर उपयोग के बाद की जाती है। लेनिन की सफाई विशेष रूप से मैकेनिकल लॉन्ड्री में होती है, जो पूरी तरह से निगरानी में होती है, जिसमें सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जाती है। इसके अलावा, समय-समय पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाता है। मीटर से सफेदी की जांच करने के बाद ही लेनिन को आगे यात्रियों को दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा, उत्तर रेलवे द्वारा गुणवत्ता सुधार के लिए नए मानक लागू किए जा रहे हैं। इस समय यह सुधार राजधानी, तेजस जैसी विशेष और प्रतिष्ठित ट्रेनों में पायलट आधार पर लागू किया जा रहा है। ये नई प्रकार की लेनिन बेहतर गुणवत्ता की हैं, इनके आकार बड़े हैं और फैब्रिक भी ज्यादा अच्छा है, जिससे यात्री बेहतर अनुभव कर सकते हैं और ज्यादा संतुष्ट हो सकते हैं। ब्लैंकेट की सफाई को लेकर साल 2010 से पहले सफाई का प्रोटोकॉल था कि उसे हर दो या तीन महीने में एक बार साफ किया जाता था, लेकिन अब यह प्रक्रिया हर महीने में दो बार की जा रही है। जहां लॉजिस्टिक समस्याएं होती हैं, वहां इसे महीने में कम से कम एक बार साफ किया जाता है। इसके अलावा, उत्तर रेलवे

हर 15 दिन में नेफ्थलीन वेपर हॉट एयर क्रिस्टलाइजेशन का प्रयोग करता है, जो एक बहुत प्रभावी और समय-परीक्षित तरीका है। इस प्रक्रिया से यात्रियों को एक बेहतर सफाई और सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा, अभी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यूवी सैनिटाइजेशन की शुरुआत की गई है, जिसमें हर राउंड ट्रिप पर अब ब्लैंकेट को यूवी किरणों से सैनिटाइज किया जाएगा। यह एक बहुत ही उन्नत और आधुनिक तकनीक है, जो आजकल व्यापक रूप से इस्तेमाल की जा रही है। इस प्रक्रिया को फिलहाल दो राजधानी ट्रेनों, जम्मू राजधानी और डिब्रूगढ़ राजधानी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। इस प्रयोग से मिले अनुभवों के आधार पर इसे भविष्य में अन्य ट्रेनों में भी लागू किया जाएगा।

परिवर्तन के पथप्रदर्शक के रूप में युवा भारत की विकास गाथा का नेतृत्व करेंगे: ओम बिरला : फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में मानव रचना विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि आज के युवाओं में अपार ऊर्जा, नवीन क्षमताएं और आमूलचूल परिवर्तन लाने की क्षमता है जो समय की मांग है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि 21वीं सदी भारत की है और नवाचार के पथप्रदर्शक और परिवर्तन के वाहक के रूप में युवा देश की विकास गाथा का नेतृत्व करेंगे।

फरीदाबाद में मानव रचना विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि आज के युवाओं में अपार ऊर्जा, नवीन क्षमताएं और आमूलचूल परिवर्तन लाने की क्षमता है जो समय की मांग है। बिरला ने कहा कि 21वीं सदी भारत और उसके युवाओं की है, जो दुनिया भर के देशों में नवाचार क्रांति ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुला संवाद और चर्चाएं देश की प्रगति के केंद्र में रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपनी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प का उपयोग करना चाहिए। वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश महानता हासिल करने वाला है।

टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ , एजेंसी। हरियाणा सरकार ने टैक्स चोरी करने वालों की सूचना देने वालों को पुरस्कार देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आबकारी और कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की टैक्स चोरी करने वाले व्यक्ति, फर्मों की जानकारी देने वालों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। सरकार की ओर से यह कदम राज्य में कर चोरी पर नियंत्रण पाने और राज्य के राजस्व में वृद्धि करने के लिए उठाया गया है। इसके लिए सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग में शुरुआती तौर पर 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने पोर्टल बनाने के निर्देश दिए हैं। टैक्स चोरी की सूचना देने वाले की जानकारी गुप्त रखी जाएगी। हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि इस पहल से लोग टैक्स चोरी की

गतिविधियों के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी दें, ताकि राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके और राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हो। मुख्यमंत्री सैनी ने प्रदेश में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक पोर्टल बनाने के आदेश दिए हैं, जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी की सूचना दे सकता है। इस पहल का उद्देश्य हरियाणा राज्य में नशे की समस्या को नियंत्रित करना और इसे समाप्त करने के लिए एक ठोस कदम उठाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस पोर्टल को जल्द से जल्द स्थापित करें और इसके संचालन के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार करें। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि नशा तस्करी को रोकने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए मिलकर कार्य करें। जिससे नशे की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्तियों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच करने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए किए गांवों में शराब के ठेकों को घर, स्कूलों और धार्मिक स्थलों से उचित दूरी पर ही स्थापित किए जाएं।

गाजियाबाद में छात्रावास में डेंटल छात्रा ने आत्महत्या की

गाजियाबाद, एजेंसी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ कमरे का दरवाजा तोड़ा और पाया कि रेणुका का शव फंदे से लटका हुआ था। एसीपी ने कहा कि पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। गाजियाबाद जिले के निवाड़ी कस्बे में स्थित दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्रावास में शनिवार को दंत चिकित्सा में मास्टर कर रही 26 वर्षीय छात्रा ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को गाजियाबाद के निवाड़ी में दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्रावास के 302 नंबर कमरे में एमडीएस छात्रा रेणुका यादव (26) मृत मिली। मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि विस्तृत जांच के लिए उसके फोन कॉल का विवरण सुरक्षित कर लिया गया है। पुलिस को उसके कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें रेणुका ने लिखा है कि इस कदम के लिए वह ही जिम्मेदार है। एसीपी ने बताया, शुक्रवार को उसने अपने शिक्षकों को बताया था कि वह कक्षाओं में आएगी, लेकिन जब वह नहीं आई तो कुछ विद्यार्थियों को उसे देखने के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि दरवाज़े पर की गई दस्तक पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर छात्रावास वार्डन को सूचित किया गया, जिन्होंने निवाड़ी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ कमरे का दरवाजा तोड़ा और पाया कि रेणुका का शव फंदे से लटका हुआ था। एसीपी ने कहा कि पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। राय ने बताया कि उसके माता-पिता की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

हमारे समूह पर हुए हमलों ने हमें मजबूत बनाया है : गौतम अदाणी

जयपुर, एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शनिवार को कहा कि अदाणी ग्रुप पर होने वाला हर हमला समूह को और मजबूत बनाता है तथा हर बाधा एक सीढ़ी बन जाती है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड्स शो के दौरान गौतम अदाणी ने पहली बार अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग के पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, यह पहली बार नहीं है जब हमें ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मैं आपको बता सकता हूं कि हर हमला हमें मजबूत बनाता है और हर बाधा अदाणी समूह के लिए एक सीढ़ी बन जाती है। गौतम अदाणी ने बताया कि किस तरह उनकी राष्ट्र निर्माण की सोच ने उन्हें विरोधियों के निशाने पर रखा है। साल 2010 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जब हम ऑस्ट्रेलिया में एक कोयला खदान में निवेश कर रहे थे, तो हमारा उद्देश्य स्पष्ट था, भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सुरक्षित कैसे बनाया जाए और हर दो टन खराब गुणवत्ता वाले भारतीय कोयले को ऑस्ट्रेलिया के एक टन उच्च गुणवत्ता वाले कोयले से बदला जाए? हालांकि, गैर-सरकारी संगठनों का बड़ा विरोध था और यह लगभग एक दशक तक चला। अब हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में एक वर्ल्ड क्लास ऑपरेशनल खदान है। तथ्य यह

है कि शत-प्रतिशत इक्विटी फंडिंग ने हमारी ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट से 30 अरब डॉलर से अधिक का लोन फाइनेंस छीन लिया है।

गौतम अदाणी ने जनवरी 2023 में समूह के खिलाफ शॉर्ट-सेलिंग का भी उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जब उनका समूह अपनी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग लॉन्च करने की तैयारी कर रहा था, तब उन पर दोहरी मार पड़ी थी - उनकी वित्तीय स्थिरता को निशाना बनाया गया और उनके नाम पर राजनीतिक विवाद खड़ा किया गया।

उन्होंने कहा, लेकिन विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत बनी रही। भारत के अब तक के सबसे बड़े एफपीओ से सफलतापूर्वक 20 हजार करोड़ रुपये जुटाने के बाद हमने उन रुपयों को निवेशकों को वापस लौटाने का असाधारण निर्णय लिया। इसके बाद हमने कई अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से पूंजी जुटाकर और सक्रिय रूप से अपने ऋण-ईबीआईटीडीए अनुपात को 2.5 से कम करके ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में एक अविश्वसनीय मीट्रिक पेश किया। गौतम अदाणी ने कहा कि अमेरिकी न्याय विभाग के मामले में तथ्य यह है कि बहुत सारी एकतरफा रिपोर्टिंग के बावजूद अदाणी पक्ष के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए के उल्लंघन या न्याय में बाधा डालने की किसी साजिश का आरोप नहीं लगाया गया है। फिर भी, आज की दुनिया में नकारात्मकता तेजी से फैलती है।

उन्होंने कहा, इन वर्षों में, मैं यह स्वीकार करता आया हूं कि जिन बाधाओं का हम सामना करते हैं, वे (दूसरों से) आगे होने की कीमत हैं। आपके सपने जितने बोल्ड होंगे, दुनिया आपको उतना ही अधिक परखेगी। लेकिन, आपको आगे बढ़ने, यथास्थिति को चुनौती देने और एक ऐसा रास्ता बनाने का साहस मिलना चाहिए जिस पर पहले कभी कोई न चला हो। पायनियरिंग करने का अर्थ है अज्ञात को अपनाना, सीमाओं को तोड़ना और अपने दृष्टिकोण पर तब भी विश्वास करना जब दुनिया इसे अभी तक नहीं समझ पाई हो।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।